▸▸वर्ष : 34 ▸▸अंक : 285 ▸▸मुंबई, सोमवार, 22 दिसंबर 2025 ▸▸RNI: MAHHIN/49994/91 ▸▸मूल्य : 3 रुपए ▸▸epaper.dobajedopahar.com ▸▸संपादक : अरुण लाल ▸▸संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD

दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

पुणे में 'दादा' का जलवा

नगराध्यक्ष की 17 में से 10 सीटें जीतीं

पुणे जिले में 14 नगर परिषदों और 3 नगर पंचायतों के नतीजे घोषित हुए हैं। इन सभी जगहों पर अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। बारामती, इंदापूर, भोर सहित कुल 10 नगर परिषदों और नगर पंचायतों में अध्यक्ष पद पर जीत हासिल कर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने पुणे जिले में खुद को 'बड़ा भाई' साबित किया है। इस पर अजित पवार ने भी कहा कि देखिए पुणे जिला किसके साथ है।

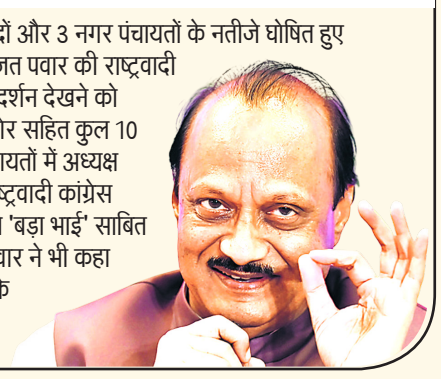

288 में से 215 सीटों पर किया कब्जा, एमवीए 51 पर सिमटी

नगर परिषद से पार्षद तक भाजपा का दबदबा

आरंभ है प्रचंड...

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

राज्य में हुए 288 नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में भाजपा ने एक बार फिर अपना दबदबा साबित कर दिया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व वाली महायुति ने पूरे राज्य में शानदार जीत हासिल की है और भाजपा नंबर एक पार्टी बनकर उभरी है। तीन-चार साल के लंबे इंतजार के बाद हुए इस चुनाव में जनता ने विकास के मुद्दों को प्राथमिकता देते हुए महायुति को वोट दिया। हालांकि, महाविकास अघाड़ी को करारा झटका लगा है और उनका प्रभाव नाममात्र का ही रह गया है।

महायुति ने 214 से अधिक सीटें जीतीं

राज्य में कुल 288 नगर परिषदों और नगर पंचायतों के चुनाव के नतीजे रविवार (21 दिसंबर, 2025) को घोषित किए गए। मतगणना सुबह 10 बजे शुरू हुई और शाम तक अधिकांश नतीजे स्पष्ट हो गए थे। महायुति ने 214 से अधिक सीटें जीतीं, जबकि महाविकास अघाड़ी को केवल 49 सीटें मिलीं और स्थानीय गठबंधनों और निर्दलीय उम्मीदवारों को 25 सीटें प्राप्त हुईं। गौरतलब है कि अकेले भाजपा से 129 महापौर और 3,325 पार्षद चुने गए। उबाटा और शरद पवार समूह दो अंकों तक भी नहीं पहुंच सके।

▸▸भाजपा सबसे बड़ी पार्टी, शिवसेना बनी नंबर दो पार्टी

▸▸महाराष्ट्र में 30-35 साल में नहीं देखी गई ऐसी जीत: सीएम

किसे कितनी सीटों पर मिली जीत

पार्टी	महापौर	सदस्य
भाजपा	129	3325
शिवसेना	51	695
एनसीपी	35	311
कांग्रेस	35	131
उबाटा	9	378
शरद पवार समूह	7	153
अन्य	22	140

विभागवार परिणाम

- विदर्भ (100 सीटें) : बीजेपी 58, शिवसेना 8, एनसीपी 7, कांग्रेस 23, उबाठा 0, शरद पवार 0, अन्य 4.
- मराठवाड़ा (52 सीटें) : बीजेपी 25, शिवसेना 8, एनसीपी 6, कांग्रेस 4, उबाठा 4, शरद पवार 2, अन्य 3.

अंबरनाथ में उलटफेर

BJP प्रत्याशी तेजश्री करंजुले ने जीता नगराध्यक्ष चुनाव

अंबरनाथ। विवादों, गोलीबारी और भारी तनाव के बीच संपन्न हुए अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव के नतीजे स्पष्ट हो गए हैं। जहां सीधे मुकाबले में बीजेपी की नगराध्यक्ष पद की उम्मीदवार तेजश्री करंजुले जीत गईं हैं, वहीं पार्षद सीटों पर शिवसेना (शिंदे गुट) ने अपना वर्चस्व कायम रखा है। अंबरनाथ नगर परिषद के नगराध्यक्ष के लिए हुए सीधे चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने निर्णायक बढ़त हासिल की है। भाजपा की तेजश्री करंजुले पाटिल को कुल 43,224 वोट मिले हैं, जबकि उनकी निकटतम प्रतिद्वंद्वी शिवसेना (शिंदे गुट) की मनीषा वालेकर को 36,732 वोटों से संतोष करना पड़ा है।

नासिक में बीजेपी का 'संकटमोचक' प्लान फेल

▸▸शिवसेना ने मारी बाजी, 11 में से 5 सीटों पर शिंदे गुट का कब्जा

महाराष्ट्र निकाय चुनावों में जहां भाजपा राज्य स्तर पर अग्रणी रही, वहीं नासिक जिले में उसे करारी हार का सामना करना पड़ा है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने यहां 5 सीटों पर शानदार जीत दर्ज की है, जबकि भाजपा और अजित पवार की एनसीपी 3-3 सीटों पर सिमट गई। भाजपा ने इस जिले की जिम्मेदारी अपने 'संकटमोचक' कहे जाने वाले नेता गिरीश महाजन को सौंपी थी, लेकिन वे पार्टी को जीत दिलाने में विफल रहे। जिले में देवेंद्र फडणवीस की सभाएं भी कम हुईं, जिसका सीधा असर परिणामों पर पड़ा। 2027 में होने वाले कुंभ मेले से ठीक पहले भाजपा के लिए यह हार एक बड़ा राजनीतिक झटका मानी जा रही है।

त्र्यंबकेश्वर और इगतपुरी में शिंदे का 'जादू'

मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के लिए त्र्यंबकेश्वर म्युनिसिपल काउंसिल की जीत सबसे गौरवपूर्ण रही। कुंभ मेले का केंद्र होने के कारण भाजपा यहाँ सत्ता पाने के लिए बेताब थी, लेकिन शिंदे की रणनीति के आगे वे टिक नहीं पाए। इसी तरह इगतपुरी में भी शिंदे गुट ने जीत का परचम लहराया। शिंदे ने चुनाव प्रचार के दौरान रोजगार और विकास का बड़ा दांव खेला था। उन्होंने वादा किया कि इगतपुरी को महाबलेश्वर की तर्ज पर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। साथ ही, उन्होंने अदवान में महिंद्रा कंपनी का प्लांट लाने और बेरोजगारी खत्म करने का आश्वासन दिया, जो मतदाताओं को लुभाने में सफल रहा।

जनता ने दिया बड़ा जनादेश : देवेंद्र फडणवीस

नागपुर। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने नागपुर में परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि राज्य की जनता ने भाजपा और महायुति को भारी समर्थन दिया है। उन्होंने सबसे पहले महाराष्ट्र के लोगों का आभार जताया और कहा कि यह जनादेश महायुति के पक्ष में ऐतिहासिक है। फडणवीस ने कहा कि यह जीत न सिर्फ बड़ी है, बल्कि 30 से 35 साल में पहली बार ऐसा जनसमर्थन देखने को मिला है। फडणवीस ने बताया कि उन्होंने पहले ही अनुमान लगाया था कि नगर परिषद अध्यक्षों में करीब 75 प्रतिशत महायुति से होंगे और जनता ने ठीक वैसा ही फैसला दिया है। अब तक के आंकड़ों के मुताबिक भाजपा के करीब 129 नगर परिषद अध्यक्ष चुने गए हैं। महायुति की तीनों सहयोगी पार्टियों को मिलाकर नगर परिषद अध्यक्षों में 75 प्रतिशत हिस्सेदारी हुई है। इससे यह भी साफ हो गया है कि भाजपा महाराष्ट्र की नंबर वन पार्टी बनकर उभरी है।

पार्षदों में भाजपा का रिकॉर्ड प्रदर्शन

फडणवीस ने कहा कि पार्षदों के चुनाव में भाजपा ने नया रिकॉर्ड बनाया है। करीब 3300 पार्षद भाजपा से चुने गए हैं। यह आंकड़ा जनता के भारी समर्थन को दिखाता है। उन्होंने कहा कि यह प्रदर्शन विधानसभा चुनावों के बराबर ही नहीं, बल्कि उससे भी बेहतर है। यह जीत 2017 से कहीं बड़ी है और पिछले तीन दशकों में ऐसी सफलता नहीं मिली थी।

सहयोगियों और संगठन को श्रेय

देवेंद्र फडणवीस ने इस जीत का श्रेय महायुति के सहयोगियों एकनाथ शिंदे और अजित पवार को भी दिया। उन्होंने कहा कि दोनों दलों का प्रदर्शन भी शानदार रहा। साथ ही महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण को बधाई दी, जिनके नेतृत्व में ये चुनाव हुए। पूर्व अध्यक्ष बावनकुले, मंत्रिमंडल सहयोगियों और कार्यकर्ताओं की मेहनत की भी सराहना की।

भड़का विपक्ष, चुनाव आयोग और भाजपा पर लगाए गंभीर आरोप

कांग्रेस ने राज्य चुनाव आयोग को निशाना बनाया। चुनाव परिणामों पर प्रतिक्रिया देते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने अपनी पार्टी के विजयी उम्मीदवारों को बधाई दी। साथ ही चुनाव आयोग पर तीखा तंज कसते हुए उन्होंने आयोग को सत्ताधारी गठबंधन की मदद करने के लिए बधाई दी। वहीं शिवसेना (UBT) के नेता संजय राउत ने महायुति की जीत को 'मशीन की सेटिंग' करार देते हुए दावा किया है कि भाजपा ने परिणामों को अपने हिसाब से फिट किया है। राउत ने आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि "विधानसभा के नतीजों को देखें तो मशीन वही सेट है।" उनके अनुसार, विधानसभा चुनावों के दौरान जो संख्या बल महायुति के पक्ष में दिखा था, वही स्थिति यहां भी दोहराई गई है।

चंद्रपुर में कांग्रेस की धमाकेदार जीत

महाराष्ट्र में नगर परिषद और नगर पंचायतों के नतीजों में जहां बीजेपी और उसके सहयोगी दलों की मजबूत पकड़ दिख रही है, वहीं चंद्रपुर की तस्वीर पूरी तरह उलट रही। कांग्रेस नेता विजय वडेट्टीवार के गढ़ चंद्रपुर में पार्टी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 में से 8 सीटों पर जीत दर्ज की। बीजेपी और शिंदे गुट की शिवसेना को केवल 1–1 सीट मिली, जबकि एक सीट पर निर्दलीय प्रत्याशी विजयी रहा। चंद्रपुर में सफलता के बाद विजय वडेट्टीवार ने प्रतिक्रिया दी कि जिले ने एक बार फिर कांग्रेस पर भरोसा जताया है और कहा, "चंद्रपुर में टाइगर अभी भी जिंदा है।"

विपक्ष का झूठ खारिज हुआ: रवींद्र चव्हाण

महाराष्ट्र में रविवार को स्थानीय निकाय चुनावों की मतगणना के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण ने पार्टी की निर्णायक जीत का ऐलान किया। उन्होंने दावा किया कि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन ने राज्य की 288 में से 250 से अधिक परिषदों, नगर पंचायतों और नगर परिषदों में बड़ी जीत हासिल की है। इस गठबंधन में भाजपा, एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी शामिल हैं।

'मिशन मुंबई': अगला पड़ाव बीएमसी चुनाव

स्थानीय निकाय चुनावों में मिली इस भारी सफलता के बाद महायुति का पूरा ध्यान अब देश की सबसे समृद्ध नगर पालिका, बृहन्मुंबई महानगर पालिका (बीएमसी) पर टिक गया है। चव्हाण ने घोषणा की कि 15 जनवरी को मुंबई सहित 28 अन्य नगर निगमों के चुनाव होंगे, जिसकी मतगणना 16 जनवरी को की जाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि जिस तरह राज्य के अन्य हिस्सों में मतदाताओं ने विपक्ष को नकारा है, उसी तरह मुंबई की जनता भी आगामी बीएमसी चुनावों में महायुति पर अपना भरोसा जताएगी। यह जीत न केवल आगामी निगम चुनावों के लिए महायुति का मनोबल बढ़ाएगी, बल्कि मुंबई की राजनीति में भी एक नया समीकरण तैयार करेगी।

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING | CII | FICCI

IICT Indian Institute of Creative Technologies

MAKE YOUR CREATIVE CAREER WITH IICT
ADMISSIONS OPEN - 2026

2 Years Undergraduate Diploma Programme
- Animation Film Design
- Art & Science of Visual Effects
- Advance Video Game Art-Design & Technology

1 Year Diploma Programme
- Visual Effects Mastery
- 3D Technical Art (Lighting, FX, Grooming, Unreal)
- 3D Character, Creature Design, & World Building
- Interactive Comics & Sequential Art

Enrol & Upskill

+91 8655 954956
+91 8655 954957
+91 8655 954958
admissions@iict.org
www.iict.org

Apply Now
Scholarships Available

IICT - Indian Institute of Creative Technologies
4th Floor, Phase II Building, NFDC Campus, 24, Pedder Rd, IT Colony, Cumballa Hill, Mumbai, Maharashtra 400026

ठाणे मनपा चुनाव हेतु प्रशासकीय अधिकारियों की बैठक

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

आने वाले ठाणे मनपा के आम चुनाव-2025 की पृष्ठभूमि में, चुनाव अधिकारी प्रशासन व आयुक्त सौरभ राव के निर्देशानुसार, उपायुक्त चुनाव उमेश बिरारी के मार्गदर्शन में टीएमसी चुनाव प्रक्रिया पूरा करने के लिए वार्ड-वाइज नियुक्त चुनाव निर्णायक अधिकारी और सहायक चुनाव निर्णायक अधिकारी की तैयारी प्रारंभिक तैयारियों हेतू बैठक आज टीएमसी मुख्यालय के अर्बन रिसर्च सेंटर संपन्न में हुई।

इस मीटिंग में डिप्टी कमिश्नर हेडक्वार्टर जी.जी. गोडेपुरे, असिस्टेंट कमिश्नर इलेक्शन बालू पिचड़ के साथ वार्ड-वाइज नियुक्त इलेक्शन डिसीजन ऑफिसर्स मौजूद थे। मीटिंग में डिप्टी डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट शारदा पोवार, मजीवडा मानपाड़ा वार्ड कमेटी की इलेक्शन डिसीजन ऑफिसर, वर्तकनगर वार्ड कमेटी की सतवसीला शिंदे, लोकमान्य सावरकरनगर वार्ड कमेटी के सरजेराव म्हस्के-पाटिल, वागले वार्ड कमेटी की वृषाली पाटिल, नौपाड़ा कोपरी वार्ड कमेटी की प्रज्ञा सावंत, उथलसर वार्ड कमेटी की उर्मिला पाटिल, कलवा वार्ड कमेटी की अश्विनी पाटिल, मुंब्रा वार्ड कमेटी के गोपीनाथ थोम्ब्रे और अविनाश कोष्टी, दिवा वार्ड कमेटी के सुनील शिंदे, वीरसिंह वसावे और असिस्टेंट इलेक्शन डिसीजन ऑफिसर मौजूद थे।

मीटिंग में ठाणे म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के आम चुनाव में नॉमिनेशन, स्क्रूटनी, चुनाव निशानों का बंटवारा, अयोग्यता, कानून-व्यवस्था, आदर्श आचार संहिता, खर्च की निगरानी, मीडिया सर्टिफिकेशन और मॉनिटरिंग कमेटी, वोटों की गिनती और नतीजों की घोषणा वगैरह से जुड़े तरीकों के बारे में कंप्यूटर प्रेजेंटेशन दिया गया।

विरोधियों का पानीपत

नगरपालिका चुनावों में शिवसेना की जीत ने पलटा खेल

• नवी मुंबई महापालिका पर महायुति का परचम लहराएगा

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई में नगरपालिका और नगर परिषद चुनावों में महाविकास आघाड़ी को मिली सीटों की तुलना में शिवसेना ने अधिक सीटें जीतकर अपनी बढ़ती ताकत साबित कर दी है। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों से अपील की कि कोई ढील न रखें और मिलकर नवी मुंबई महापालिका पर महायुति का भगवा झंडा फहराएं।

शिंदे ने कहा कि शिवसेना मालिक-नोकर वाली पार्टी नहीं, बल्कि मेहनत करने वाले कार्यकर्ताओं की पार्टी है। जो मेहनत करेगा, वही आगे बढ़ेगा। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं को उनके योगदान के लिए बधाई दी और कहा कि आरोपों का जवाब केवल काम से दिया जाना चाहिए।

जन कल्याण योजनाओं का भरोसा

शिंदे ने लाड़ली बहन योजना, लाखपति योजना, एसटी यात्रा छूट, उच्च शिक्षा मुफ्त और किसान सम्मान योजना का जिक्र करते हुए कहा कि कोई भी योजना बंद नहीं होगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि महापालिका चुनाव में हर शाखा से काम करें और विकास को मुख्य एजेंडा बनाएं। उन्होंने सभी से अपील की कि नवी मुंबई के भविष्य और शहर के विकास के लिए एकजुट होकर काम करें और महायुति का विकास का भगवा झंडा फहराएं।

नवी मुंबई के विकास पर जोर

उपमुख्यमंत्री ने अपनी ढाई साल की कार्यकाल अवधि में लिए गए नवी मुंबई के महत्वपूर्ण फैसलों का उल्लेख किया, जैसे सिडको की नई आवासीय योजना, एफएसआई वृद्धि, टोल नाकों का हटाना, पुल और सड़क परियोजनाएं, नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और 'तीसरी मुंबई' ग्रोथ सेंटर।

पार्टी में नए शामिल हुए कार्यकर्ता

नवी मुंबई में आयोजित पदाधिकारी मेले में उबाठा, एनसीपी और अन्य पार्टियों के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता शिवसेना में शामिल हुए। उनका स्वागत शिंदे ने पुष्पगुच्छ देकर किया। इस मौके पर नामदेवराव भगत, शिवराम पाटील, रमाकांत म्हात्रे, मनोज हळदणकर, विजय माने और शीतल कचरे शामिल थे। शिंदे ने कहा कि इस चुनाव में जनता ने साफ कर दिया कि 'असली शिवसेना कौन सी है।' महाविकास आघाड़ी के वोट सिंगल डिजिट में रहे, जबकि शिवसेना ने बढ़त बनाई। उन्होंने भरोसा जताया कि लोकसभा, विधानसभा और महापालिका चुनावों के बाद महायुति का भगवा झंडा और मजबूती से फहराएगा।

ठाणे में खुले टैंक में गिरी जंगली लोमड़ी

• रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद सुरक्षित बाहर निकाली गई

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे में एक जंगली लोमड़ी खुले पानी के टैंक में गिर गई, जिसे आसपास के लोगों ने देखा और तुरंत संबंधित विभागों को सूचना दी। घटना स्थल पर दमकल और वन विभाग की टीमें पहुंचीं और करीब एक घंटे तक चले रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद लोमड़ी को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

यह घटना शिल इलाके में कल्याण-शिलफाटा रोड स्थित मुक्ताई रेजिडेंसी के पास हुई। दोपहर करीब 12 बजे लोमड़ी टैंक में फंसी हुई दिखाई दी और बाहर नहीं निकल पा रही थी। ठाणे नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ प्रमुख यासीन तड़वी ने बताया कि टैंक की संकरी जगह और लोमड़ी का घबराना रेस्क्यू को चुनौतीपूर्ण बना रहा था। दमकल और वन विभाग की टीमों ने रस्सियों और अन्य उपकरणों की मदद से सावधानीपूर्वक लोमड़ी को बाहर निकाला। एक घंटे की कोशिश के बाद लोमड़ी को सुरक्षित बाहर लाया जा सका।

लोमड़ी की स्थिति और आगे की योजना

रेस्क्यू के तुरंत बाद वन विभाग के अधिकारियों ने लोमड़ी की प्राथमिक जांच की। अधिकारियों ने बताया कि लोमड़ी की हालत स्थिर है और कोई गंभीर चोट नहीं है। इसे निगरानी और स्वास्थ्य परीक्षण के लिए वन विभाग के पास रखा गया है। पूरी तरह स्वस्थ पाए जाने के बाद लोमड़ी को उसके प्राकृतिक आवास में सुरक्षित छोड़ दिया जाएगा। यह घटना आसपास के लोगों के लिए एक सुरक्षित और सकारात्मक वन्यजीव संरक्षण अनुभव साबित हुई।

तेंदुए से मुकाबला करने वाले जवानों का कांग्रेस ने किया सम्मान

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मीरा भाईंदर शहर जिला कांग्रेस कमिटी की ओर से मीरा भाईंदर मनपा अग्निशमन विभाग के भाईंदर (पूर्व) स्थित नवघर स्टेशन में तैनात बहादुर कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर अमर, मयूर, भावेश, बुधा नागरे और नंदू घरत को सम्मान पत्र देकर उनकी जांबाजी की सराहना की गई। तेंदुए के हमले के बाद शहर में दहशत का माहौल बन गया था, जो अब धीरे-धीरे सामान्य हो रहा है। घटना के बाद अंजलि के चाचा छगनलाल, इमारत के सुरक्षा रक्षक और अग्निशमन दल के जवानों की बहादुरी की चर्चा पूरे शहर में हो रही है।

जान जोखिम में डालकर बचाई गई अंजलि और उसका परिवार

बताया गया कि अंजलि के घर में तेंदुए के घुसने के बाद चीख-पुकार मच गई थी। आवाज सुनते ही अग्निशमन दल के जवान और सुरक्षा रक्षक बिना अपनी जान की परवाह किए घर में घुस गए। तेंदुए से हुई भिड़ंत में इमारत के सुरक्षा रक्षक का हाथ घायल हो गया, इसके बावजूद सभी ने मिलकर तेंदुए को घर के भीतर ही बंद करने में सफलता हासिल की।

जिला कांग्रेस ने जताया आभार

मीरा भाईंदर शहर जिला कांग्रेस कमिटी ने इन सभी जवानों की बहादुरी को सलाम करते हुए कहा कि ऐसे कर्मी समाज के असली नायक हैं, जिन्होंने संकट की घड़ी में अपनी जिम्मेदारी निभाई।

वन विभाग पर उठे सवाल

जिला उपाध्यक्ष आफरीन सैयद ने सरकार से मांग की कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए तेंदुए के शहर में प्रवेश की सटीक जांच की जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि उत्तन के पालखाड़ी गांव और आसपास के इलाकों में तेंदुआ बार-बार नजर आता रहा है, लेकिन वन विभाग उसे पकड़ने में अब तक असफल रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को नागरिकों की सुरक्षा के साथ-साथ वन्यजीवों की सुरक्षा के लिए भी कड़े कदम उठाने होंगे।

नवी मुंबई मनपा चुनाव शांतिपूर्ण कराने को प्रशासन अलर्ट

आचार संहिता लागू, निगरानी के लिए विशेष टीमें गठित

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

नवी मुंबई महानगरपालिका के आम चुनावों को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन सतर्क हो गया है। राज्य चुनाव आयोग द्वारा 15 दिसंबर को आदर्श आचार संहिता लागू किए जाने के बाद इसके पालन पर नजर रखने के लिए मनपा प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए हैं। नवी मुंबई मनपा के अतिरिक्त आयुक्त सुनील पवार की देखरेख में कोड ऑफ कंडक्ट सेल के साथ अलग-अलग स्पेशल टीमें गठित की गई हैं। मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे के मार्गदर्शन में पहले चरण में तीन टीमें सक्रिय की गई हैं।

डॉ. अमोल पालवे बने कोऑर्डिनेटिंग ऑफिसर

अतिरिक्त आयुक्त सुनील पवार के मार्गदर्शन में प्रॉपर्टी टैक्स विभाग के सहायक आयुक्त डॉ. अमोल पालवे को सुपरविजन के लिए कोऑर्डिनेटिंग ऑफिसर नियुक्त किया गया है। वहीं तुषार दौडकर आचार संहिता से जुड़ी विभिन्न टीमों के समन्वय का कार्य संभालेंगे।

आचार संहिता पालन की अपील

मनपा प्रशासन ने कहा कि आदर्श आचार संहिता चुनावों को शांतिपूर्ण और पारदर्शी ढंग से कराने के लिए एक नैतिक संहिता है, जिसका पालन सभी के लिए अनिवार्य है। नागरिकों के शांति के अधिकार और सभी उम्मीदवारों को समान अवसर देने के लिए इसका पालन जरूरी है।

स्टेशनरी, फ्लाइंग और वीडियो सर्विलांस टीम तैनात

आचार संहिता के उल्लंघन पर नजर रखने के लिए एक स्टेशनरी सर्वे टीम, एक फ्लाइंग स्क्वॉड और एक वीडियो सर्विलांस टीम काम कर रही है। प्रशासन के अनुसार, हर विभाग के लिए अलग-अलग वीडियो इंस्पेक्शन टीमें भी तैनात की जाएंगी। मनपा प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई व्यक्ति आचार संहिता का उल्लंघन करता पाया गया, तो उसके खिलाफ राज्य चुनाव आयोग के निर्देशानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

इन गतिविधियों पर रहेगी कड़ी नजर

टीमें वोटरों को रिश्वत देना, सामान, पैसे या शराब बांटना, डराना-धमकाना, धार्मिक या सामाजिक तनाव फैलाना, पूजा स्थलों का दुरुपयोग, प्रचार-प्रसार, अनधिकृत विज्ञापन और कार्यक्रमों के आयोजन जैसी गतिविधियों पर विशेष निगरानी रखेंगी। सभी मामलों की वीडियो और फोटोग्राफी भी की जाएगी।

पानी बचाने व पर्यावरण पर डॉ प्रशांत को 2 राष्ट्रीय पुरस्कार

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे व मुंबई के पर्यावरणविद और वरिष्ठ पत्रकार डॉ. प्रशांत सिनकर को पर्यावरण, पानी बचाने और सामाजिक मुद्दों पर उनके शानदार काम के लिए दो नेशनल लेवल के अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। डॉ. सिनकर को जयपुर में वी केयर मीडिया फाउंडेशन की तरफ से दिए गए 'नेशनल इंस्पिरेशन अवॉर्ड 2025' और बिहार में एम. एच. फाउंडेशन की तरफ से दिए गए 'राष्ट्र सेवा पुरस्कार' से सम्मानित किया गया है।

उल्लेखनीय है कि डॉ. प्रशांत सिनकर लगातार 26 साल से ज़्यादा समय से पर्यावरण पत्रकारिता, पानी बचाने, प्रकृति बचाने, बायोडायवर्सिटी और सामाजिक मुद्दों पर लगातार लिख रहे हैं और जागरूकता फैला रहे हैं। उनकी असरदार लेखनी की वजह से राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा हुई है और पर्यावरण के प्रति आम लोगों के नज़रिए में अच्छा बदलाव आया है। पर्यावरण बचाने के लिए की गई रिसर्च, ग्रामीण और शहरी इलाकों में चलाई जा रही जागरूकता एक्टिविटी और मीडिया के ज़रिए लगातार किए जा रहे सामाजिक कामों को देखते हुए, इन दोनों संस्थाओं ने डॉ. सिनकर को इन नेशनल अवॉर्ड के लिए चुना है। उन्हें पहले भी कई नेशनल और इंटरनेशनल अवॉर्ड से सम्मानित किया जा चुका है। इस दोहरे नेशनल सम्मान ने ठाणे जिले की पत्रकारिता और पर्यावरण आंदोलन को नई ऊर्जा दी है और डॉ. प्रशांत सिनकर को अलग-अलग लेवल से बधाई दी जा रही है।

टीएमसी चुनाव में राजस्थानी समाज की मांग

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे मनपा आम चुनाव में राजस्थानी समाज ने बीजेपी-शिवसेना (शिंदे गुट) महायुति से पांच वार्डों में उम्मीदवार देने की मांग की है। राजस्थानी प्रगति मंडल ठाणे के अध्यक्ष राकेश मोदी ने बताया कि राजस्थानी समाज वर्षों से नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली महायुति का समर्थन करता रहा है। ठाणे में राजस्थानी समाज की आबादी 12-13 प्रतिशत है और समाज हमेशा राजस्थान की परंपरा और हिंदू सनातन संस्कृति का पालन करते हुए चुनावों में सक्रिय रहा है। प्रेस वार्ता में उन्होंने पार्टी से योग्य और अभ्यासू कार्यकर्ताओं को ठाणे महानगरपालिका चुनाव में उम्मीदवार बनाने की अपील की। कपूर रामावत ने कहा कि कम से कम 4-5 उम्मीदवार समाज के कार्यकर्ताओं में से तय किए जाने चाहिए। राकेश मोदी ने बताया कि उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, बीजेपी नेता संजय केलकर और विधायक निरंजन डावखरे ने मार्च 2025 के राजस्थानी महोत्सव में समाज को ठाणे मनपा चुनाव में प्रतिनिधित्व देने का वायदा किया था।

सुशासन के संकल्प के साथ भाजपा का शंखनाद

संकल्प सभा में जमकर गरजे विधायक नरेंद्र मेहता

डीबीडी संवाददाता । भाईंदर

मीरा-भाईंदर मनपा चुनाव का माहौल अब पूरी तरह गरमा चुका है। कांग्रेस और शिवसेना (शिंदे गुट) के बाद भाजपा ने भी जोरदार शक्ति प्रदर्शन करते हुए चुनावी शंखनाद कर दिया है। संकल्प सभा में उमड़ी कार्यकर्ताओं की भारी भीड़ ने साफ संकेत दिया कि भाजपा इस बार भी जीत के लिए पूरी तरह संकल्पित है।

वर्ष 2007 में 9 सीटें, 2012 में 29 सीटें और 2017 में 61 सीटें जीतने के बाद मीरा-भाईंदर भाजपा का मजबूत किला बन चुका है। मीरा रोड के सेंट्रल पार्क में आयोजित सभा में विधायक नरेंद्र मेहता ने कहा कि मीरा-भाईंदर की जनता को भाजपा नेतृत्व पर पूरा भरोसा है और शहर के विकास की नींव भाजपा शासन में रखी गई थी। अपने संबोधन में नरेंद्र मेहता ने कहा कि भाजपा का हर कार्यकर्ता कर्तव्यनिष्ठ होता है। उन्होंने कहा कि राज्य और देश की जनता भाजपा नेतृत्व पर भरोसा करती है, इसलिए जिसकी निशानी कमल होगी, वही हमारा उम्मीदवार होगा।

प्रशासन और पूर्व सत्ताधारियों पर तीखे आरोप

नरेंद्र मेहता ने आरोप लगाया कि पिछले ढाई वर्षों से प्रशासक शासन के दौरान मीरा-भाईंदर मनपा को कर्ज में डुबो दिया गया। उन्होंने भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जनता की भावनाओं के साथ लगातार खिलवाड़ किया गया है और भ्रष्ट अधिकारियों को बचाने का प्रयास हुआ। दिलीप ढोले नामक भ्रष्ट अधिकारी ने अपने 2 साल के शासन काल में मीरा भाईंदर मनपा को कर्जे में डूबा दिया। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक का नाम लिए बिना नरेंद्र मेहता ने उन पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा की मीरा भाईंदर की जनता की भावनाओं के साथ उन्होंने हमेशा खेला है। उनके सहयोगी ने जनता के शिवार गार्डन को अपनी निजी सम्पति बना लिया है। भ्रष्टाचार के आरोप में लिप्त दिलीप ढोले को बचाने के लिए अपना पत्र देकर मीरा भाईंदर की जनता के साथ विश्वासघात किया है।

घोटालों के आरोपों की झड़ी

मेहता ने सवाल उठाया कि स्व. बालासाहेब ठाकरे के नाम पर बने कला केंद्र का बजट 22 करोड़ से बढ़कर 150 करोड़ कैसे पहुंचा। उन्होंने यह भी पूछा कि 80 करोड़ रुपए की जमीन मात्र 4 करोड़ में कैसे खरीदी गई। उन्होंने कहा कि इन सभी मामलों का हिसाब जनता के सामने देना होगा। अपने भाषण में नरेंद्र मेहता ने संकेत दे दिए कि भाजपा मीरा-भाईंदर मनपा चुनाव अपने दम पर अकेले लड़ सकती है।

आरपीआई का समर्थन सीटों की शर्त पर

आरपीआई के जिलाध्यक्ष देवेंद्र शेलेकर ने स्पष्ट कहा कि यदि भाजपा और शिवसेना के बीच युति नहीं होती है, तो आरपीआई भाजपा से 10 सीटों की मांग करेगी और इसी शर्त पर समर्थन देगी।

नागपुर यूनिवर्सिटी में वित्तीय गड़बड़ी का खुलासा

22.76 करोड़ रुपए का हिसाब अधर में

डीबीडी संवाददाता । नागपुर

राष्ट्रसंत तुकड़ोजी महाराज नागपुर विश्वविद्यालय में एक बार फिर वित्तीय अनियमितताओं का मामला सामने आया है। वित्त वर्ष 2024-25 की ऑडिट रिपोर्ट में विश्वविद्यालय के बुक्स ऑफ अकाउंट्स और पार्टी-वाइज आउटस्टैंडिंग बैलेंस के बीच भारी अंतर पाया गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए शनिवार को हुई सीनेट बैठक में एडवोकेट मनमोहन बाजपेयी के नेतृत्व में उच्च स्तरीय जांच समिति गठित करने का फैसला लिया गया। ऑडिट रिपोर्ट के मुताबिक 'एडवांस' हेड के अंतर्गत 22.76 करोड़ रुपए की राशि वर्षों से बकाया दिखाई जा रही है। यानी धनराशि खर्च हो चुकी है, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि किस मद में और कहां उपयोग की गई। ऑडिटर्स ने यह भी नोट किया कि इन एडवांस की पार्टी-वाइज जानकारी और एजिंग एनालिसिस सत्यापन के लिए उपलब्ध नहीं कराई गई, जिससे संदेह और गहराता है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि कई डिपॉजिट बैलेंस बिना मिलान के लंबे समय से लंबित हैं। वहीं, 22.36 लाख रुपए को अखर्चित अनुदान के रूप में दर्शाया गया, जबकि वह राशि वास्तव में नियमित अनुदान से जुड़ी थी और पहले ही खर्च हो चुकी थी। इससे विश्वविद्यालय की देनदारियों को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया।

अकाउंट विभाग का जवाब

विश्वविद्यालय के अकाउंट विभाग ने सफाई देते हुए कहा कि पार्टी-वाइज मैनुअल रिकॉर्ड उपलब्ध हैं, लेकिन पुराने बैलेंस आगे ले जाने के कारण विसंगतियां पैदा हुई हैं। विभाग ने दावा किया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही अपडेटेड जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। सीनेट ने स्पष्ट किया कि यह मामला एक-दो करोड़ का नहीं, बल्कि 22 करोड़ रुपए से अधिक की राशि से जुड़ा है। यदि जांच में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या भ्रष्टाचार सामने आता है, तो जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मनपा चुनाव को लेकर कांग्रेस-वंचित के बीच गठबंधन पर बातचीत शुरू

- प्रकाश आंबेडकर से कांग्रेस नेताओं की मुलाकात
- गठबंधन के लिए तीन सदस्यीय समिति गठित

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

आगामी मुंबई महानगरपालिका चुनाव में गठबंधन की संभावनाओं को लेकर कांग्रेस पार्टी और वंचित बहुजन आघाड़ी के बीच बातचीत शुरू हो गई है। कांग्रेस पार्टी वंचित बहुजन आघाड़ी के साथ चुनावी आघाड़ी (गठबंधन) बनाने के उद्देश्य से सक्रिय प्रयास कर रही है।

इसी कड़ी में मुंबई कांग्रेस की ओर से अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सचिव यू. बी. व्यंकटेश, मुंबई कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सचिन सावंत और पूर्व मंत्री व विधायक असलम शेख ने वंचित बहुजन आघाड़ी के अध्यक्ष प्रकाश आंबेडकर से मुलाकात कर विस्तृत चर्चा की। इस बैठक में मुंबई महानगरपालिका चुनाव को लेकर संभावित तालमेल और राजनीतिक समीकरणों पर विचार-विमर्श किया गया।

दोनों दलों के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत सकारात्मक

मुंबई कांग्रेस के प्रवक्ता सुरेशचंद्र राजहंस ने बताया कि दोनों दलों के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ रही है और आने वाले दिनों में इस विषय पर फिर से बैठकें होंगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी वंचित बहुजन आघाड़ी के साथ आघाड़ी बनाने के लिए गंभीर है और सभी पहलुओं पर सहमति बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

इस बीच, मुंबई कांग्रेस ने वंचित बहुजन आघाड़ी के साथ गठबंधन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए तीन सदस्यीय समिति का गठन भी किया है। इस समिति में विधायक अमीन पटेल, पूर्व विधायक मधु चव्हाण और अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सचिव व मुंबई कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सचिन सावंत को शामिल किया गया है।

राजहंस ने आगे बताया कि आज की बातचीत सौहार्दपूर्ण और सकारात्मक रही है तथा दोनों पक्षों ने आपसी समन्वय बनाए रखने पर सहमति जताई है। आने वाले समय में होने वाली अगली बैठकों में गठबंधन के स्वरूप और सीटों के तालमेल पर निर्णय लिए जाने की संभावना है।

निकाय नतीजों के बाद नागपुर में सियासी सरगर्मी

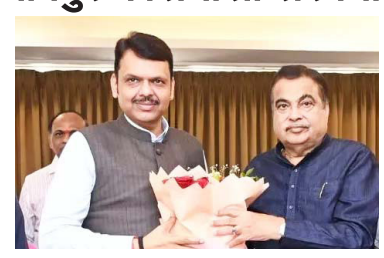

- फडणवीस–गडकरी की बैठक से बढ़ी चुनावी हलचल

मुंबई। नगर परिषद चुनावों में मिली बड़ी जीत के बाद भाजपा ने आगामी नगर निगम चुनावों की तैयारी तेज कर दी है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी से नागपुर में मुलाकात कर उच्चस्तरीय राजनीतिक बैठक की। इस बैठक को 2026 में होने वाले नागपुर महानगरपालिका चुनावों और मुंबई सहित अन्य बड़े निगमों की रणनीति से जोड़कर देखा जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक, रविवार को नितिन गडकरी के नागपुर स्थित आवास पर हुई बैठक में आगामी 15 जनवरी 2026 को प्रस्तावित नागपुर महानगरपालिका चुनावों की रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में भाजपा के संगठनात्मक ढांचे, संभावित उम्मीदवारों और जमीनी स्तर पर तैयारी को लेकर मंथन किया गया। इस अहम बैठक में मुख्यमंत्री फडणवीस और नितिन गडकरी के साथ विधायक प्रवीण दटके, भाजपा नागपुर शहर अध्यक्ष दयाशंकर तिवारी और उपेंद्र कोठेकर समेत कई वरिष्ठ नेता शामिल रहे। इससे पहले गडकरी ने पार्टी कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने का संदेश देते हुए कहा था कि पार्टी जिसे भी टिकट दे, सभी कार्यकर्ता पूरी ताकत से उसके समर्थन में उतरें, ताकि नागपुर का अगला महापौर भाजपा का ही बने।

सत्ताधारी दलों की जीत चुनाव आयोग के आशीर्वाद से : सपकाल

- चुनाव आयोग की अव्यवस्थित कार्यप्रणाली, फर्जी मतदान, धनबल और सत्ताबल के दुरुपयोग का आरोप

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

नगरपालिका और नगर परिषद चुनावों को लेकर महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने चुनाव आयोग और सत्ताधारी दलों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि इन चुनावों में चुनाव आयोग की लापरवाह और अव्यवस्थित कार्यप्रणाली एक बार फिर सामने आई है, जिसके चलते चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष नहीं रह पाए।

सपकाल ने आरोप लगाया कि मतदाता सूची और मतदान प्रक्रिया को पूरी तरह से अस्त-व्यस्त कर दिया गया। चुनाव की तारीखों में बार-बार बदलाव किए गए, जिससे आम मतदाता भ्रमित हुआ। उन्होंने कहा कि सत्ताधारी दलों ने साम, दाम, दंड और भेद की नीति का खुलेआम इस्तेमाल किया। चुनावों में फर्जी मतदान, दबाव की राजनीति, सत्ता का दुरुपयोग और धनबल का व्यापक प्रयोग देखने को मिला।

महायुति सरकार के कामकाज से जनता बेहद नाराज़

चुनाव परिणामों पर मीडिया से बात करते हुए कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि भाजपा नेतृत्व वाली महायुति सरकार के कामकाज से जनता बेहद नाराज़ है। राज्य में भ्रष्टाचार बड़े पैमाने पर फैला हुआ है और आम नागरिकों के बुनियादी काम नहीं हो रहे हैं। ऐसे हालात में आए चुनावी नतीजे जनता का वास्तविक जनादेश प्रतीत नहीं होते।

उन्होंने आरोप लगाया कि लोकतंत्र और संविधान की खुलेआम अवहेलना करते हुए दमन की राजनीति की गई और चुनाव आयोग सत्ताधारियों के हाथों की कठपुतली बनकर रह गया। "पैसा फेंको–तमाशा देखो" की मानसिकता के तहत चुनाव लड़े गए, जिसका सीधा असर परिणामों पर पड़ा। इन परिस्थितियों के चलते कांग्रेस पार्टी को अपेक्षित सफलता नहीं मिल सकी।

हालांकि, सपकाल ने स्पष्ट किया कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र और संविधान की रक्षा के लिए अपना संघर्ष जारी रखेगी। यह केवल चुनावी नहीं, बल्कि वैचारिक लड़ाई है।

उन्होंने यह भी कहा कि नगरपालिका चुनावों में भाजपा को मिली सफलता एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के लिए खतरे की घंटी है। भाजपा अपने शत-प्रतिशत विस्तार के लिए भविष्य में अपने सहयोगी दलों को बाहर का रास्ता दिखा सकती है।

16 साल बाद टूटी चुप्पी

मूक-बधिर महिलाओं को निशाना बनाने वाले यौन शोषक का पर्दाफाश

डीबीडी संवाददाता I मुंबई

मुंबई के पश्चिमी उपनगर से सामने आया एक मामला न सिर्फ क्रूरता की हदें दिखाता है, बल्कि यह भी उजागर करता है कि कैसे वर्षों तक एक दरिंदा मूक-बधिर महिलाओं की मजबूरी का फायदा उठाता रहा। जुलाई 2009 में नाबालिग अवस्था में यौन शोषण का शिकार हुई एक महिला ने 16 साल बाद जब अपनी आपबीती साझा की, तो पुलिस भी सन्न रह गई।

नशीला पदार्थ पिलाकर किया गया था दुष्कर्म

पीड़िता के मुताबिक, एक महिला मित्र उसे घुमाने के बहाने सांताक्रूज के वाकोला इलाके में आरोपी महेश पवार के घर ले गई थी। वहां उसे नशीला पदार्थ पिलाया गया और फिर उसके साथ दुष्कर्म किया गया। इसके बाद आरोपी ने डर, धमकी और ब्लैकमेलिंग के जरिए उसे सालों तक चुप रहने पर मजबूर किया। पीड़िता ने तब हिम्मत जुटाई, जब उसी के समुदाय की एक अन्य मूक-बधिर महिला आरोपी की प्रताड़ना से तंग आकर आत्महत्या की कोशिश कर बैठी। इस घटना ने उसे भीतर तक झकझोर दिया। इसके बाद उसने व्हाट्सएप वीडियो कॉल के जरिए अपने मूक-बधिर दोस्तों और सहकर्मियों को सांकेतिक भाषा में 2009 की पूरी घटना बताई और फिर अपने पति को भी सच्चाई से अवगत कराया।

संस्थाओं के सहयोग से पहुंची पुलिस तक

पीड़िता 'ठाणे डेफ एसोसिएशन' की मदद से पुलिस तक पहुंची। पुलिस ने उसका बयान कैमरे के सामने सांकेतिक भाषा में दर्ज किया, ताकि हर संकेत का सही अर्थ समझा जा सके।जांच में सामने आया कि महेश पवार लंबे समय से मूक-बधिर महिलाओं को अपना शिकार बना रहा था। वह नशीला पदार्थ देकर यौन शोषण करता, उसका वीडियो बनाता और फिर उन्हीं वीडियो के जरिए पीड़िताओं को ब्लैकमेल करता था। वह उनसे पैसे, सोने के गहने और मोबाइल फोन वसूलता, यहां तक कि निर्वस्त्र होकर वीडियो कॉल करने के लिए भी मजबूर करता था।

पीड़िताओं की संख्या 24 से अधिक होने की आशंका

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शुरुआती जांच में कम से कम सात महिलाओं के यौन शोषण के ठोस सबूत मिले हैं, लेकिन आशंका है कि पीड़िताओं की संख्या 24 से ज्यादा हो सकती है। आरोपी को 13 दिसंबर को पालघर जिले के विरार से गिरफ्तार किया गया और फिलहाल वह न्यायिक हिरासत में है।

सांकेतिक भाषा दुभाषिया मधु केणी ने बताया कि आरोपी की दरिंदगी का शिकार बनी अन्य महिलाएं भी अब न्याय के लिए आगे आना चाहती हैं। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि एक पीड़िता से बड़ी रकम ऐंठने के बावजूद आरोपी ने मेडिकल इमरजेंसी के समय उसे कोई मदद नहीं दी।

खामोश आवाज़ों की जीत

इस पूरे मामले को उजागर करने में 'ठाणे डेफ एसोसिएशन' के अध्यक्ष वैभव घैस, सामाजिक कार्यकर्ता मोहम्मद फरहान खान और दुभाषिया मधु केणी की अहम भूमिका रही। यह मामला सिर्फ एक गिरफ्तारी नहीं, बल्कि उन दर्जनों खामोश आवाज़ों की जीत है, जो सालों से न्याय का इंतजार कर रही थीं।

मनपा चुनाव से पहले पुणे–पिंपरी में राजनीतिक भूचाल, भाजपा में बड़ा दलबदल

स्थानीय राजनीति के दिग्गज चेहरों ने थामा भाजपा का दामन

पुणे। महानगर पालिका चुनाव की आहट के साथ ही पुणे और पिंपरी-चिंचवड की राजनीति में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। शनिवार को 10 से अधिक प्रभावशाली स्थानीय नेताओं ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में प्रवेश कर राजनीतिक समीकरण बदल दिए। इस दलबदल को भाजपा के लिए बड़ी बढ़त और विपक्ष के लिए करारा झटका माना जा रहा है। इस घटनाक्रम से राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के दोनों गुटों को नुकसान पहुंचा है। भाजपा ने रणनीतिक तौर पर 'ऑपरेशन लोटस' को आगे बढ़ाते हुए विपक्षी गढ़ों में सेंध लगाई, जबकि एक पूर्व उपमहापौर ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना का रुख कर सबको चौंका दिया।

खडकवासला में 'दो अन्ना' की सियासी जंग

पुणे की राजनीति में सबसे अहम प्रवेश खडकवासला से शरद पवार के करीबी माने जाने वाले सचिन दोडके का रहा। सुप्रिया सुले के भरोसेमंद सहयोगी रहे दोडके को भाजपा में लाने के लिए केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने पूरी ताकत झोंकी। हालांकि, इस कदम का पार्टी के भीतर ही विरोध भी हुआ।

भाजपा विधायक से टकराव, हाईकमान का दखल

खडकवासला से भाजपा विधायक भीमराव तापकीर ने दोडके के प्रवेश पर आपत्ति जताई। सूत्रों के मुताबिक पार्टी की कोर कमेटी बैठक में मोहोल और तापकीर के बीच तीखी बहस हुई। अंततः हाईकमान के हस्तक्षेप के बाद मोहोल का पलड़ा भारी पड़ा और दोडके का भाजपा में प्रवेश तय हो गया।पुणे के वरिष्ठ पूर्व पार्षद और पूर्व उपमहापौर आबा बागुल ने कांग्रेस से दूरी बनाते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल होकर नई राजनीतिक पारी शुरू की। कांग्रेस के निष्ठावान रहे बागुल ने पिछले विधानसभा चुनाव में बगावत की थी, जिसके बाद उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया गया था।

पिंपरी-चिंचवड से भाजपा विधायक महेश लांडगे ने कहा कि विकासोन्मुख हिंदुत्व के आधार पर पार्टी नगर निगम चुनाव में निर्णायक जीत दर्ज करेगी।

एनजीटी ने कैंसर अस्पताल के पास अवैध उत्खनन पर सख्ती दिखाई

- अधिकारियों की लापरवाही पर न्यायाधिकरण नाराज़

नवी मुंबई। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने नवी मुंबई में टाटा कैंसर अस्पताल के पीछे चल रहे कथित अवैध उत्खनन को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाई है। पर्यावरणीय चिंताओं पर समय पर जवाब न देने पर एनजीटी ने दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

न्यायमूर्ति दिनेश कुमार सिंह और विशेषज्ञ सदस्य डॉ. सुजीत कुमार बाजपेयी की पश्चिमी क्षेत्र पीठ एक सामाजिक कार्यकर्ता की याचिका और एक समाचार रिपोर्ट के आधार पर स्वतः संज्ञान लेते हुए दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। एनजीटी ने 5 दिसंबर को पारित आदेश में कहा कि रायगढ़ जिला कलेक्टर और भूविज्ञान एवं खान निदेशालय को जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन अब तक कोई जवाब प्रस्तुत नहीं किया गया है।

मुख्य सचिव को पत्र लिखने का निर्देश

पीठ ने कहा कि अब न्यायाधिकरण के रजिस्ट्रार को महाराष्ट्र के मुख्य सचिव को पत्र लिखने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है, ताकि वे रायगढ़ जिला कलेक्टर और भूविज्ञान एवं खनन निदेशक को अगली सुनवाई में अनिवार्य रूप से उपस्थित होने का निर्देश दें।

भाजपा की B-टीम बनकर काम कर रही है कांग्रेस : रोहित पवार

पुणे। महाराष्ट्र के नगर पंचायत और नगर परिषद चुनावों के नतीजों के बाद महा विकास अघाड़ी (MVA) के भीतर अंतर्विरोध खुलकर सामने आ गए हैं। कांग्रेस की जीत पर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार गुट) के विधायक रोहित पवार ने तीखा हमला बोलते हुए कांग्रेस को भाजपा की 'B-टीम' करार दिया है।

स्थानीय निकाय चुनावों में कांग्रेस ने सबसे ज्यादा 32 सीटें जीती हैं, लेकिन इस सफलता ने एमवीए में उत्साह के बजाय असहजता बढ़ा दी है। रोहित पवार ने कांग्रेस की रणनीति पर सवाल उठाते हुए सोशल मीडिया के जरिए अपनी नाराजगी जाहिर की। रोहित पवार ने कहा कि खुद को धर्मनिरपेक्षता और समानता का समर्थक बताने वाली कांग्रेस ने अपने टिकट पर भाजपा समर्थित उम्मीदवारों को मैदान में उतारकर एक सांप्रदायिक पार्टी की जीत में अप्रत्यक्ष रूप से योगदान दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने भाजपा की B-टीम के रूप में काम किया है।

रोहित पवार के मुताबिक कांग्रेस की इन 'टेढ़ी राजनीतिक चालों' का खामियाजा आम जनता को भुगतना पड़ा है।

T20 वर्ल्ड कप में ऐतिहासिक जीत हासिल करने वाली भारतीय महिला ब्लाइंड क्रिकेट टीम ने रविवार को शिरडी में श्री साईं बाबा की समाधि के दर्शन किए। दर्शन के बाद, जीतने वाली खिलाड़ियों को श्री साईं बाबा संस्थान के CEO गोरक्ष गाडिलकर ने सम्मानित किया।

एमवीए में राज ठाकरे की एंट्री तय!

संजय राउत का दावा: 2–3 दिन में होगा फैसला

मुंबई। महाराष्ट्र की राजनीति में बड़ा उलटफेर होने के संकेत मिल रहे हैं। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने दावा किया है कि राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (MNS) के साथ गठबंधन को लेकर बातचीत अंतिम चरण में पहुंच चुकी है और अगले दो से तीन दिनों में इस पर आधिकारिक ऐलान किया जा सकता है। यह गठबंधन महाविकास अघाड़ी (MVA) के तहत स्थानीय निकाय चुनावों के मद्देनज़र बेहद अहम माना जा रहा है। लोकल बॉडी चुनावों की मतगणना के बीच पत्रकारों से बातचीत में राउत ने कहा कि रविवार को हुई बैठक लगभग आखिरी थी। उन्होंने संकेत दिए कि MNS को लेकर शिवसेना (यूबीटी) पूरी तरह सकारात्मक है और औपचारिक घोषणा अब बस समय की बात है। मुंबई समेत राज्य की 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी को होने हैं, जबकि मतगणना 16 जनवरी को होगी।

कांग्रेस की आपत्ति बनी गठबंधन में अड़चन

हालांकि, राउत ने यह भी स्वीकार किया कि महाविकास अघाड़ी की सहयोगी कांग्रेस को MNS के शामिल होने पर आपत्ति है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने राज ठाकरे की पार्टी को लेकर "रिजर्वेशन" जताया है। इसके बावजूद शिवसेना (यूबीटी) कांग्रेस को यह समझाने की कोशिश कर रही है कि भाजपा को हराने के लिए व्यापक एकता जरूरी है। राउत ने साफ किया कि मुंबई में सीटों को लेकर मतभेद जरूर हैं, लेकिन कांग्रेस के साथ कोई मनमुटाव नहीं है।

कांग्रेस अकेले चुनाव लड़ने के मूड में

इससे पहले शनिवार को ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी के महासचिव और महाराष्ट्र प्रभारी रमेश चेन्निथला ने कहा था कि पार्टी कार्यकर्ताओं की जोरदार मांग है कि कांग्रेस बृहन्मुंबई महानगरपालिका (BMC) चुनाव अकेले लड़े। उन्होंने कहा कि कांग्रेस प्रदूषण, स्वास्थ्य सेवाओं और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों पर जनता के बीच जाएगी और मुंबई के सेक्युलर चरित्र की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।रविवार को घोषित कई नगरपालिकाओं के नतीजों में महाविकास अघाड़ी को झटका लगा है, जबकि महायुति को बढ़त मिली है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इन नतीजों को आगामी नगर निगम चुनावों का "ट्रेलर" बताते हुए दावा किया कि भाजपा अब भी राज्य की नंबर वन पार्टी बनी हुई है।

आचार संहिता की मार

पुणे म्हाडा की 4,186 घरों की लॉटरी टली

पुणे। पुणे के हजारों नागरिकों का अपना घर पाने का सपना एक बार फिर अटक गया है। पुणे महानगरपालिका चुनाव के चलते लागू आदर्श आचार संहिता के कारण महाराष्ट्र आवास एवं क्षेत्र विकास प्राधिकरण (म्हाडा) के पुणे बोर्ड की 4,186 घरों की लॉटरी प्रक्रिया स्थगित कर दी गई है। इस फैसले से करीब 2 लाख 15 हजार आवेदकों की मुश्किलें बढ़ गई हैं, जिनकी लाखों-करोड़ों रुपये की जमा राशि महीनों से फंसी हुई है। पुणे बोर्ड की यह लॉटरी पहले ही तकनीकी कारणों से तीन बार स्थगित की जा चुकी थी। अब चुनावी आचार संहिता लागू होने के बाद लॉटरी ड्रॉ की संभावनाएं और भी धुंधली हो गई हैं। आवेदकों का कहना है कि हर बार नई वजह सामने आ जाती है, लेकिन समाधान नहीं निकल पा रहा।

संपादकीय

नाम परिवर्तन: नीति या नीयत?

लोककल्याणकारी योजनाओं में समय के साथ बदलाव स्वाभाविक ही नहीं, कई बार आवश्यक भी हो जाता है। समाज, अर्थव्यवस्था और ज़रूरतों के बदलते स्वरूप के साथ नीतियों का पुनरावलोकन किया जाना चाहिए। लेकिन जब बदलाव केवल नाम तक सीमित रह जाए और उसके पीछे राजनीतिक उद्देश्य की आहट सुनाई देने लगे, तो उस पर सवाल उठना पूरी तरह जायज़ है। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम—मनरेगा—के नाम बदलने की प्रस्तावित पहल ने इसी कारण देशभर में बहस को जन्म दिया है। मनरेगा वर्ष 2005 में लागू की गई वह महत्त्वपूर्ण योजना है, जिसने ग्रामीण भारत में "काम के अधिकार" को व्यवहारिक स्वरूप दिया। इस योजना के तहत ग्रामीण परिवारों के वयस्क सदस्यों को साल में कम से कम सौ दिन के रोज़गार की गारंटी दी गई। बेरोज़गारी, पलायन और ग्रामीण गरीबी जैसी समस्याओं से जूझ रहे करोड़ों लोगों के लिए यह योजना एक सुरक्षा कवच साबित हुई। यह सही है कि इसके क्रियान्वयन में खामियां रहीं, भ्रष्टाचार के आरोप लगे और कई स्थानों पर अपेक्षित परिणाम नहीं मिले, लेकिन इसके बावजूद शायद ही कोई यह कहे कि यह योजना निरर्थक रही। यही कारण है कि सत्ता परिवर्तन के बाद भी यह योजना जारी रही। स्वयं वर्तमान सरकार ने कभी इसे "पिछली सरकार की विफलताओं का स्मारक" कहा था, फिर भी इसे बंद नहीं किया गया, क्योंकि इसकी सामाजिक और आर्थिक आवश्यकता से इनकार संभव नहीं था। आज जो विवाद सामने आया है, वह मनरेगा की उपयोगिता को लेकर नहीं, बल्कि उसके नाम को लेकर है। सरकार का कहना है कि विकसित भारत के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ते हुए इस योजना का नाम बदलना ज़रूरी हो गया है। यह तर्क भी दिया जा रहा है कि 'महात्मा गांधी' के स्थान पर 'पूज्य बापू' शब्द का प्रयोग किया जा रहा है, इसलिए आपत्ति का कोई कारण नहीं होना चाहिए। साथ ही यह भी कहा जा रहा है कि नाम से क्या फर्क पड़ता है। लेकिन यहीं से असली सवाल शुरू होता है। यदि नाम से फर्क नहीं पड़ता, तो फिर नाम बदलने की ज़रूरत ही क्यों पड़ी? स्पष्ट है कि मामला केवल नाम का नहीं, बल्कि नीयत का है। यह पहली बार नहीं है जब नाम बदलने की राजनीति सामने आई हो। बीते एक दशक में योजनाओं, सड़कों, शहरों, संस्थानों और सार्वजनिक स्थलों के नाम बदलने की प्रवृत्ति लगातार देखी गई है। यह सच है कि यह काम किसी एक राजनीतिक दल तक सीमित नहीं रहा, लेकिन वर्तमान समय में यह एक स्थापित राजनीतिक परंपरा जैसा बन गया है। अक्सर नाम बदलने को सांस्कृतिक पुनर्जागरण, ऐतिहासिक सुधार या राष्ट्रीय गौरव से जोड़कर प्रस्तुत किया जाता है। पर सवाल यह है कि क्या हर नाम परिवर्तन वास्तव में प्रगति का संकेत होता है? इतिहास और अनुभव बताते हैं कि केवल नाम बदल देने से न तो व्यवस्था अपने आप सुधर जाती है और न ही जनता का जीवन स्तर बेहतर हो जाता है। राजपथ को कर्तव्य पथ कर देने से इस पथ पर चलने वालों की सोच और आचरण नहीं बदल जाते। मानसिकता का परिवर्तन शिक्षा, संवेदनशील नीति, सामाजिक संवाद और ईमानदार शासन से होता है। प्रतीकात्मक बदलावों का प्रभाव सीमित होता है, जबकि ठोस सुधार दूरगामी परिणाम देते हैं। इसी तरह मनरेगा का भविष्य उसके नाम से नहीं, बल्कि उसकी पारदर्शिता, जवाबदेही और प्रभावशीलता से तय होगा। यदि योजना में भ्रष्टाचार है, भुगतान में देरी है या ज़रूरतमंदों तक लाभ नहीं पहुंच पा रहा है, तो इन मुद्दों पर गंभीर चर्चा और सुधार की आवश्यकता है, न कि केवल नाम बदलने पर ज़ोर देने की। महात्मा गांधी किसी राजनीतिक दल के नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र और विश्व की साझा धरोहर हैं। वे केवल एक ऐतिहासिक व्यक्तित्व नहीं, बल्कि सत्य, अहिंसा और सामाजिक न्याय के प्रतीक हैं। उनके नाम से जुड़ी किसी योजना में परिवर्तन, यदि राजनीतिक गणनाओं से प्रेरित प्रतीत होता है, तो यह गांधीवादी मूल्यों से दूरी का संकेत देता है।

शख्सियत | गोविन्दा

हिन्दी सिनेमा के 'हीरो नंबर 1'

गोविन्दा आहूजा, जिन्हें दर्शक स्नेहपूर्वक केवल गोविन्दा या ची-ची कहकर पुकारते हैं, हिन्दी सिनेमा के उन विरले अभिनेताओं में शामिल हैं जिन्होंने अपने अभिनय, नृत्य और हास्य के बल पर एक पूरा दौर परिभाषित किया। उनका जन्म 21 दिसंबर 1963 को बॉम्बे (वर्तमान मुंबई), महाराष्ट्र में हुआ। एक मध्यमवर्गीय फिल्मी परिवार से आने वाले गोविन्दा के पिता अरुण आहूजा स्वयं अभिनेता थे, जबकि माँ निर्मला देवी गायिका थीं। बचपन से ही कला और संगीत का माहौल मिलने के कारण गोविन्दा के भीतर अभिनय और नृत्य की प्रतिभा स्वाभाविक रूप से विकसित हुई।

गोविन्दा ने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत वर्ष 1986 में फिल्म इल्ज़ाम से की। शुरुआती दौर में वे एक एक्शन और डांसिंग हीरो के रूप में सामने आए। उनकी चुस्त-फुर्ती, चेहरे के भाव और सहज नृत्य शैली ने उन्हें भीड़ से अलग पहचान दी। लव 86, हत्या, जीते हैं शान से जैसी फिल्मों ने उन्हें एक उभरते हुए सितारे के रूप में स्थापित किया। इस समय तक यह स्पष्ट हो गया था कि गोविन्दा में एक संपूर्ण मनोरंजक अभिनेता बनने की क्षमता है। 1990 का दशक गोविन्दा के करियर का स्वर्णकाल माना जाता है। इस दौर में उन्होंने हास्य अभिनय को नई ऊँचाइयों पर पहुँचाया। 1992 में आई फिल्म शोला और शबनम में उनकी शरारती और चंचल भूमिका को दर्शकों ने खूब सराहा। इसके बाद आंखें (1993) ने उनकी छवि को एक सफल कॉमेडी अभिनेता के रूप में मजबूत कर दिया। 1990 के दशक में राजा बाबू, कुली नंबर 1, हीरो नंबर 1, साजन चले ससुराल, दीवाना मस्ताना, दूल्हे राजा, बड़े मियाँ छोटे मियाँ, अनाड़ी नंबर 1 और जोड़ी नंबर 1 जैसी फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता हासिल की। गोविन्दा की सबसे बड़ी विशेषता उनकी कॉमिक टाइमिंग थी। वे साधारण संवादों को भी अपने हाव-भाव और चेहरे की अभिव्यक्ति से असाधारण बना देते थे। उनके अभिनय में देसीपन, सहजता और आम आदमी की झलक दिखाई देती थी, जिससे दर्शक उनसे आसानी से जुड़ जाते थे। फिल्म हद कर दी आपने (2000) में उन्होंने एक साथ छह अलग-अलग भूमिकाएँ निभाईं, जो उनकी अभिनय क्षमता का उत्कृष्ट उदाहरण है। अपने शानदार करियर में गोविन्दा ने 165 से अधिक हिन्दी फिल्मों में अभिनय किया। उन्हें 12 बार फिल्मफेयर पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया और फिल्म हसीना मान जाएगी के लिए सर्वश्रेष्ठ हास्य अभिनेता का फिल्मफेयर पुरस्कार मिला। इसके अलावा उन्हें कई ज़ी सिने पुरस्कार और विशेष सम्मान भी प्राप्त हुए। उनकी नृत्य शैली इतनी लोकप्रिय हुई कि दक्षिण भारतीय, विशेषकर तेलुगु फिल्म उद्योग के कई अभिनेता उनसे प्रेरित हुए। हालाँकि 2000 के दशक के मध्य में गोविन्दा का करियर कुछ समय के लिए कमजोर पड़ा और कई फिल्में असफल रहीं, लेकिन उन्होंने भागम भाग (2006), पार्टनर (2007) और लाइफ पार्टनर (2009) जैसी फिल्मों से वापसी की। इसके अलावा वे 2015 में ज़ी टीवी के लोकप्रिय डांस रियलिटी शो डांस इंडिया डांस सुपर मॉम सीजन 2 के जज बने, जिसे जबरदस्त दर्शक समर्थन और टीआरपी मिली। गोविन्दा केवल अभिनेता ही नहीं, बल्कि राजनीति में भी सक्रिय रहे हैं। वे 2004 से 2009 तक भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के टिकट पर मुंबई उत्तर लोकसभा क्षेत्र से सांसद रहे। इस चुनाव में उन्होंने भाजपा के वरिष्ठ नेता राम नाइक को पराजित किया। हालाँकि राजनीति में उनका कार्यकाल सीमित रहा, फिर भी एक फिल्म अभिनेता के रूप में संसद तक पहुँचना उनकी लोकप्रियता को दर्शाता है। व्यक्तिगत जीवन की बात करें तो गोविन्दा का विवाह 1987 में सुनीता आहूजा से हुआ। उनके दो बच्चे हैं—टीना आहूजा और यशवर्धन आहूजा। गोविन्दा अपने परिवार के प्रति बेहद समर्पित माने जाते हैं।

जयोस्तुते

भाग-53

इदं न मम

भगवान श्रीकृष्ण ने भगवद्गीता में 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' का उपदेश दिया है। इसका अर्थ है- फल की आशा किए बिना कर्म करते जाओ। जो कार्य तुम करते हो, वह करना तुम्हारे हाथ में है, परंतु उसके फल पर तुम्हारा अधिकार नहीं है। हम जो भी कार्य कर रहे हैं, उसे कर्तव्य भावना से करना ही उचित है, और उसके लिए किसी भी प्रकार से श्रेय लेना हमारी संस्कृति में उचित नहीं माना गया है। यह जीवन, यह क्रिया, कुछ भी मेरा नहीं है- यह भावना ही हमारी सच्ची शिक्षा है। इसीलिए भारतीय संस्कृति और हिंदू परंपरा में कोई भी पूजा, अर्चना या यज्ञ करने के बाद उसका समस्त पुण्य और श्रेय ईश्वर को अर्पण करने की परंपरा है। 'श्रीकृष्णार्पणमस्तु' कहते हुए हम उदक (तर्पण) करते हैं। उदक छोड़ना (अभिमंत्रित जल तर्पण करना) या जल चढ़ाने का तात्पर्य है किसी कर्म, किसी पूजा या किसी यज्ञ को ईश्वर को समर्पित करना। जब कोई वस्तु हम अर्पण करते हैं, तब उस पर हमारा कोई अधिकार नहीं रहता। इसलिए हिंदू धर्म और संस्कृति में ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और संन्यास- इन चारों आश्रमों में कर्तव्यों का पालन स्थितप्रज्ञ भाव से करने की शिक्षा दी गई है।

-दो बजे दोपहर

मूल लेख : अवधूत वाघ

(मुंबई के प्रथम आरएसएस संघचालक स्व. दादा राव नाईक की महान विरासत को जारी रखने और युवावस्था में आरएसएस और एबीवीपी से जुड़कर गर्व महसूस करनेवाले सारस्वत बैंक के पूर्व निदेशक अवधूत वाघ महाराष्ट्र भाजपा के राज्य प्रवक्ता हैं। वीजेटीआई से 1981 बैच के इंजीनियरिंग स्नातक और जमनालाल बजाज संस्थान से 1987 बैच के वित्तीय प्रबंधन में परा-स्नातक अवधूत वाघ एक शिक्षाविद् होने के साथ-साथ प्रखर समाजसेवी हैं। जल संसाधन क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करनेवाले चार्टर्ड इंजीनियर वाघ को भारत में पेट्रोलियम रिफाइनरियों में वीओसी संग्रह और निष्कासन प्रणाली के लिए आयात विकल्प प्रौद्योगिकी को डिजाइन करने का श्रेय जाता है। मंझे हुए कबड्डी खिलाड़ी और कवि-लेखक अवधूत वाघ ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर सिलसिलेवार ब्लॉग लिखकर भ्रांतियों को ध्वस्त करने और तथ्यों को सरल तरीके से सामने लाने का काम किया है।)

मनुष्य तब निराश हो जाता है जब उसकी इच्छापूर्ति नहीं होती है। यदि किसी वस्तु के लिए हमने पहले ही कोई आशा नहीं रखी हो, तो निराश होने का प्रश्न ही नहीं उठता। एक बार अगर हम इच्छा और आसक्ति से दूर हो गए, तो निराशा के बादल हमारे ऊपर नहीं छाएंगे। जब कोई व्यक्ति अपने कर्तव्य का पालन करते हुए यह मान लेता है कि वह तो केवल निमित्त मात्र है और नियति ही उससे किसी प्रयोजन के लिए कार्य करवा रही है- तब उसके भीतर का 'मैं' समाप्त हो जाता है, अहंकार नष्ट हो जाता है, अभिमान गिर जाता है और वह निःस्वार्थ भाव से अपना कर्तव्य निभाने लगता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में व्यक्ति पूजा नहीं होती। किसी भी कार्य का श्रेय व्यक्तिगत रूप से नहीं लिया जा सकता। जो भी कार्य आपको सौंपा गया है, वह संगठन के संपूर्ण कार्य का केवल एक हिस्सा भर है। आपका कार्य कितना भी महत्वपूर्ण क्यों न हो, आप केवल नाममात्र हैं, और 'संगठन सर्वोपरि' है। इसलिए आपने जो कुछ भी किया है, वह संगठन को समर्पित करने की भावना होनी चाहिए। यह भावना, यह अनुभूति मन को इस भाव से ओतप्रोत कर देती है कि संगठन के कार्य में हमारी भागीदारी कितनी भी महत्वपूर्ण क्यों न हो, लेकिन 'मैं' महत्वपूर्ण नहीं है। इसी भावना से प्रेरित होकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में पिछले सौ वर्षों में अनेक महान विभूतियों ने अपना संपूर्ण जीवन संघ कार्य को समर्पित कर दिया है। उनमें से केवल कुछेक का ही उल्लेख इतिहास में मिलता है। असंख्य स्वयंसेवक अपने-अपने स्थान पर, अपनी-अपनी तरह से कार्य करते हुए अनंत में विलीन हो गए, लेकिन उनका कोई उल्लेख नहीं मिलता। इसका कारण है- संघ स्वयंसेवकों में व्याप्त 'इदं न मम'(यह मेरा नहीं है) की भावना। 'नाही चिरा नाही पणती' (न कोई स्मृतिस्तंभ, न कोई दीपस्तंभ)- यही स्थिति है उन असंख्य नींव के पत्थरों की। लेकिन इसको लेकर किसी स्वयंसेवक को तनिक भी दुख नहीं है। मातृभूमि को परम वैभव की ओर ले जाते हुए जो मार्ग अपनाना पड़ता है, वह कांटों से भरा हुआ होता है- यह बात संघ का कार्य शुरू करने से पहले ही सभी को मालूम होती है। स्वातंत्र्यवीर सावरकर के शब्दों में कहें तो—

की घेतले व्रत न हे अम्ही अंधतेने,
लब्धप्रकाश-इतिहास-निसर्ग-माने।
जे दिव्य दाहक म्हणूनी असावयाचे,
बुद्धाची वाण धरीले करी हे सतीचे।।

संघ के सौ वर्षों के इतिहास में सेवाभावना से प्रेरित असंख्य प्रचारक, जिन्होंने न केवल अपना युवाकाल, बल्कि संपूर्ण जीवन संघ कार्य के लिए समर्पित किया, उन्होंने अत्यंत प्रतिकूल परिस्थितियों में कार्य किया है और कर रहे हैं। पूर्वोत्तर भारत में कार्य करते हुए साम्यवादी विचारधारा के समर्थकों और ईसाई मिशनरियों के हमलों में कई स्वयंसेवक शहीद हुए। आज भी केरल जैसे राज्यों में, जहां ईसाई और मुस्लिम कट्टरवादियों को सत्ता का समर्थन प्राप्त है, वहां साम्यवादी और जिहादी विचारधारा वाले लोगों के हाथों संघ स्वयंसेवक मारे जा रहे हैं। इसके बावजूद संघ में कार्य करने वाले और काम करने के इच्छुक युवाओं की संख्या निरंतर बढ़ रही है। इसका कारण राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के मूलभूत सिद्धांतों का आकर्षण और आज की परिस्थिति में भी हिंदू समुदाय में संघ की आवश्यकता है।

पाठकों का आभार

वास्तव में जब संपूर्ण हिंदू समाज जातिभेद भूलकर एक हो जाएगा और राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानेगा, तभी संघ की आवश्यकता समाप्त होगी। तब तक संघ बढ़ता रहेगा, फैलता रहेगा, पनपता रहेगा, खिलता रहेगा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी महोत्सव वर्ष के निमित्त मैंने पिछले सौ वर्षों की यात्रा का संक्षिप्त आकलन करने का एक छोटा-सा प्रयास किया है। 'ताटी उघडा ज्ञानेश्वरा'की करुण पुकार करनेवाली संत मुक्ताबाई के समाधि दिवस पर मेरा पहला हिंदी लेख प्रकाशित हुआ था। संघ के शताब्दी वर्ष पर आरंभ किए गए राष्ट्रयज्ञ में थोड़ी समिधा अर्पित करने के भाव से यह छोटा-सा प्रयत्न आरंभ किया था और उसकी पूर्णता अब हो रही है- इसका मुझे आनंद है। इस यात्रा में मूल मराठी लेखों का हिंदी अनुसर्जन करनेवाली श्वेता शालिनी, 'दो बजे दोपहर'के संपादक मा. अरुण लाल तथा सभी पाठकों का मैं आभारी हूं। मैं न तो संघ का कोई विशेष अध्ययनकर्ता हूं और न ही कोई लेखक। बचपन में संघ की शाखा पर मिले संघ-संस्कार ही मेरे जीवन की सबसे बड़ी पूंजी हैं। इसी संस्कार-उपहार का ऋण अपनी अल्पबुद्धि से चुकाने का प्रयास किया है। आशा है यह पाठकों को पसंद आया होगा। हालांकि यह सर्वविदित है कि यदि आकाश को कागज बना दिया जाए, सभी वृक्षों को लेखनी और समुद्र को स्याही बना दिया जाए, तो भी संघ के पिछले सौ वर्षों का इतिहास लिखना असंभव है। इसलिए जो कुछ भी भगवा ध्वज की कृपा से लिखा गया है वह- 'इदं न मम'(यह मेरा नहीं है)।

।। इति श्रीकृष्णार्पणमस्तु।।

समाप्त

अनुसर्जन : श्वेता शालिनी

(श्री हरि के आनंद-अश्रु से उपजी पापनाशिनी सरिता 'मां सरयू' की सेवा में समर्पित अपने परिवार की शुचिता और सेवा की विरासत को बखूबी सहेजनेवाली श्वेता शालिनी महाराष्ट्र भाजपा की प्रवक्ता और सोशल मीडिया प्रकोष्ठ की प्रभारी हैं। इससे पूर्व सचिव और भाजपा उत्तर भारतीय प्रकोष्ठ की महाराष्ट्र प्रभारी की जिम्मेदारियों का उल्लेखनीय निर्वाह कर चुकी श्वेता शालिनी इंजीनियरिंग और मैनेजमेंट की उच्च शिक्षा प्राप्त करने के साथ-साथ एक सफल उद्यमी हैं। महाराष्ट्र सरकार गठित सेक्शन 8 कंपनी वीएसटीएफ की पूर्व कार्यकारी निदेशक भी रह चुकी हैं। एक प्रखर वक्ता के रूप में विशेष मुकाम रखनेवाली श्वेता शालिनी दर्शनशास्त्र, जीवन-शास्त्र और अर्थशास्त्र जैसे गूढ़ विषयों पर लिखनेवाली एक प्रतिष्ठित स्तंभकार होने के साथ-साथ युवाओं, महिलाओं और विशेषकर ग्रामीणों के उत्थान में कार्य करने के लिए प्रसिद्ध हैं। अनुसर्जन का यह उनका पहला प्रयोग है।)

(यह कॉलम हर उस इंसान के लिए है जो संघ को समझना चाहता है, फिर वह समर्थन में हो या विरोध में : संपादक)

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

हीनभावना-आत्मविनाश से आत्मोन्नति तक का मार्ग

भावनाएँ मानव जीवन की आत्मा हैं। वे हमारे व्यक्तित्व, व्यवहार और चिंतन को दिशा प्रदान करती हैं। संसार में कोई भी प्राणी ऐसा नहीं है जिसमें भावनाएँ न हों, परंतु भावनाओं को व्यक्त करने की क्षमता केवल मनुष्य में विकसित रूप में दिखाई देती है। मनुष्य का संपूर्ण अस्तित्व

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

इन्हीं भावनाओं से संचालित होता है — प्रेम, स्नेह, करुणा, घृणा, ईर्ष्या, क्रोध, दया, विनम्रता, आत्मगौरव आदि भावनाएँ उसके जीवन को विविध रंग प्रदान करती हैं। जीवन में इनका संतुलित होना अत्यंत आवश्यक है, क्योंकि जहाँ एक ओर भावनाएँ हमारे जीवन में सौंदर्य और संवेदना का संचार करती हैं, वहीं दूसरी ओर उनका असंतुलन अनेक मानसिक विकृतियों का कारण भी बन जाता है। ऐसी ही एक नकारात्मक और खतरनाक मानसिक प्रवृत्ति है — हीनभावना।

हीनभावना का स्वरूप और उत्पत्ति

हीनभावना एक ऐसी मानसिक स्थिति है जिसमें व्यक्ति स्वयं को दूसरों की तुलना में कमतर, अयोग्य या असफल मानने लगता है। यह भावना मनुष्य की आत्मा को धीरे-धीरे खोखला कर देती है। हीनभावना का जन्म प्रायः बचपन से ही होता है। जब कोई बालक बार-बार उपेक्षित होता है, उसे तिरस्कार या अपमान का अनुभव कराया जाता है, या उसके साथ भेदभावपूर्ण व्यवहार किया जाता है, तब उसके भीतर यह बीज अंकुरित होने लगता है कि वह दूसरों से कम है। कई बार आर्थिक असंपन्नता, शारीरिक दुर्बलता, रूप-रंग की कमी, परिवार में पक्षपात या विद्यालय में लगातार असफलता जैसी परिस्थितियाँ भी हीनभावना को जन्म देती हैं। जब यह भावना लंबे समय तक बनी रहती है, तो व्यक्ति का आत्मविश्वास नष्ट हो जाता है और वह धीरे-धीरे स्वयं पर विश्वास खो देता है।

हीनभावना से ग्रस्त व्यक्ति प्रायः उदास, चिड़चिड़ा, असुरक्षित और अस्थिर रहता है। उसे हर कार्य में विफलता का भय सताता है। वह दूसरों की सफलता देखकर प्रसन्न नहीं हो पाता, बल्कि भीतर ही भीतर जलता और स्वयं को तुच्छ महसूस करता है। ऐसे लोग अक्सर अपनी इस कमी को छिपाने के लिए श्रेष्ठता का दिखावा करने लगते हैं।

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, इस स्थिति में व्यक्ति एक प्रकार का कृत्रिम आवरण ओढ़ लेता है — वह दूसरों पर हावी होने की कोशिश करता है, अपने से श्रेष्ठ लोगों की निंदा करता है, अथवा दूसरों की कमियों को उजागर कर स्वयं को ऊँचा दिखाने की चेष्टा करता है। यह प्रवृत्ति उसे और अधिक असंतुलित बना देती है। परिणामस्वरूप, उसका व्यक्तित्व अस्थिर, असामंजस्यपूर्ण और असंतोष से भरा हुआ हो जाता है। हीनभावना केवल व्यक्ति को नहीं, समाज को भी प्रभावित करती है। जब समाज में ऐसे लोग बढ़ने लगते हैं जो भीतर से असुरक्षित हैं, तो वे दूसरों के प्रति नकारात्मक व्यवहार करने लगते हैं। वे सहयोग की बजाय प्रतिस्पर्धा, ईर्ष्या और द्वेष को बढ़ावा देते हैं। परिणामस्वरूप, समाज में सौहार्द्र और समरसता का अभाव हो जाता है। कई बार ऐसे लोग झूठ, छल, अपमान या हिंसा तक के मार्ग पर उतर आते हैं। वे यह सोचने लगते हैं कि यदि वे दूसरों को गिरा देंगे, तो स्वयं ऊपर उठ जाएंगे। यह मानसिकता समाज के नैतिक ताने-बाने को कमजोर कर देती है।

अपने विचार

आम तौर पर हम महाभारत और रामायण को सत्ता, संघर्ष और परिवार की कहानी मानते हैं। हम इनकी रणनीति, युक्ति और गेम प्लान के बारे में स्पष्ट रूप से सोच नहीं पाते। दरअसल, एक बार जब मुझसे किसी ने पूछा था कि आपके हिसाब से सबसे महान राजनियक कौन हैं, तो मैंने कहा था कि भगवान श्रीकृष्ण और हनुमान।

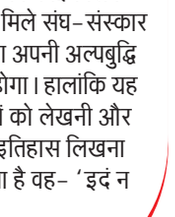

-एस.जयशंकर, विदेश मंत्री

अगर आप अब भी इनकी (हिंदू धर्मगुरुओं की) पूजापाठ, कर्मकांड, दान-पुण्य आदि कर रहे हैं तो ऐसा करना तुरंत बंद कर दें या अपना आरक्षण तुरंत छोड़ दें वर्ना ये बेईमानी होगी और डॉ अंबेडकर को धोखा देना माना जाएगा।'

-उदित राज, नेता, कांग्रेस

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि." के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार)।

ब्रीफ न्यूज़

पुणे में नकली शराब गिरोह पकड़ाया 12 लाख का माल जब्त

पुणे। अवैध और मिलावटी शराब के खिलाफ सख्त अभियान चलाते हुए राज्य उत्पादन शुल्क विभाग की पुणे टीम ने दो अलग-अलग छापेमारी में बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। नकली देशी शराब और डिफेंस सेवाओं के नाम पर बेची जा रही विदेशी शराब के रैकेट का पर्दाफाश करते हुए विभाग ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई में करीब 12 लाख रुपये से अधिक मूल्य का अवैध माल जब्त किया गया है। यह कार्रवाई राज्य उत्पादन शुल्क आयुक्त डॉ. राजेश देशमुख, सह-आयुक्त (प्रवर्तन एवं सतर्कता) प्रसाद सुर्वे तथा पुणे संभाग के विभागीय उपायुक्त सागर धोमकर के आदेशानुसार की गई। पूरे अभियान का मार्गदर्शन अधीक्षक अतुल कानडे ने किया।पहली कार्रवाई चाकण–शिक्रापुर रोड पर शेलपिपलगांव के पास स्थित एक टिन शेड में की गई। गुप्त सूचना के आधार पर फ्लाइंग स्क्वाड-3 ने छापा मारते हुए 'टैंगो पंच' ब्रांड की 7,440 नकली सीलबंद बोतलें बरामद कीं, जिनकी अनुमानित कीमत 3.60 लाख रुपये बताई गई है। इस मामले में वाहिद साजिद शेख को हिरासत में लिया गया है। दूसरी कार्रवाई कुरुली फाटा और होटल भक्तिशा परिसर में की गई, जहां डिफेंस सेवाओं के नाम पर नकली लेबल लगाकर विदेशी शराब बेची जा रही थी। यहां से दिलीप अक्कलवाड और अरविंद नया को गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया है कि जब्त की गई शराब पूरी तरह बनावटी और स्वास्थ्य के लिए बेहद घातक थी। राज्य उत्पादन शुल्क विभाग ने संकेत दिए हैं कि दोनों मामलों में आगे और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं। विभाग अब इस अवैध नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने और पूरे गिरोह की कड़ियां जोड़ने में जुटा हुआ है।

एकतरफा मोह बना हत्या की वजह, महिला के पति को उतारा मौत के घाट

पुणे। पुणे जिले के जेजुरी इलाके में एकतरफा प्रेम के खतरनाक जुनून ने एक युवक की जान ले ली। शादीशुदा महिला से एकतरफा प्यार करने वाले युवक ने बदले की आग में उसके पति की बेरहमी से हत्या कर दी। जेजुरी पुलिस और स्थानीय अपराध शाखा (एलसीबी) ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी सुशांत संदीप मापारे (21) को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि वारदात में शामिल एक नाबालिग को हिरासत में लिया गया है। पुलिस के मुताबिक मृतक की पहचान 22 वर्षीय दीपक गोरख जगताप, निवासी मालशिरस के रूप में हुई है। आरोपी सुशांत एक विवाहित महिला से एकतरफा प्रेम करता था और उससे शादी करना चाहता था। महिला की शादी दीपक से हो जाने के बाद आरोपी के मन में रंजिश पनप गई और उसने हत्या की साजिश रच डाली। 14 दिसंबर को मालशिरस के रामकाठी खेत में दीपक का शव खून से सना मिला। शरीर पर धारदार हथियार से किए गए कई वार के निशान थे। घटना की गंभीरता को देखते हुए ग्रामीण पुलिस अधीक्षक संदीप गिल के मार्गदर्शन में विशेष टीम गठित कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान संदेह की सुई सुशांत मापारे पर जाकर टिक गई। पुलिस को सूचना मिली कि आरोपी यवत इलाके में छिपकर फरार होने की तैयारी कर रहा है। इसी दौरान जाल बिछाकर पुलिस ने उसे दबोच लिया। अदालत ने आरोपी को 22 दिसंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। इस निर्मम हत्या की वारदात से पूरे पुरंदर तालुका क्षेत्र में दहशत और आक्रोश का माहौल है। पुलिस मामले में नाबालिग की भूमिका की भी गहन जांच कर रही है।

अंतरिक्ष यात्री बनना अब भारत में मान्यताप्राप्त पेशा: शुभांशु शुक्ला

डीबीडी संवाददाता । पुणे

'गगनयात्री' ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने कहा कि भारत में अब अंतरिक्ष यात्री एक मान्यताप्राप्त पेशा बन चुका है, जो युवाओं के लिए असीम संभावनाएं खोलता है। उन्होंने युवाओं से बड़े सपने देखने और चंद्रमा तक पहुंचने का लक्ष्य रखने का आह्वान किया। राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के पुणे पुस्तक महोत्सव के तहत आयोजित पुणे साहित्य महोत्सव में विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए शुक्ला ने कहा, 'भारत का लक्ष्य 2040 तक चंद्रमा पर उतरना है। हो सकता है कि आज यहां बैठा कोई युवा एक दिन चंद्रमा की सतह पर कदम रखे। जब आप आएंगे, तो मैं आपसे प्रतिस्पर्धा करने के लिए वहां मौजूद रहूंगा।'

गगनयान मिशन पर देश की बड़ी तैयारी

उन्होंने बताया कि भारत अपने मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन गगनयान पर तेजी से काम कर रहा है। इस मिशन का उद्देश्य एक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को अंतरिक्ष में भेजना और उसे सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाना है। शुक्ला ने कहा कि गगनयान के बाद भारत अपना खुद का अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने की दिशा में भी आगे बढ़ रहा है, जो अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में देश की बड़ी उपलब्धि होगी। उन्होंने कहा कि पहले अंतरिक्ष यात्री बनने की कल्पना करना भी मुश्किल था, लेकिन अब यह एक वास्तविक करियर विकल्प है।आज हर बातचीत में छात्र पूछते हैं कि अंतरिक्ष यात्री कैसे बना जा सकता है। यह बताता है कि सोच बदल चुकी है। अपनी यात्रा साझा करते हुए शुक्ला ने बताया कि जब 1984 में विंग कमांडर राकेश शर्मा अंतरिक्ष गए थे, तब उनका जन्म भी नहीं हुआ था।

मेहनत से हर लक्ष्य संभव

सभा को संबोधित करते हुए शुक्ला ने कहा, 'अब अंतरिक्ष यात्री बनना एक पेशा है। यह संभव है। यह सिर्फ सपना नहीं रहा। अगर मैं यह कर सकता हूं, तो आप भी कर सकते हैं।' ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला इस साल 25 जून को प्रक्षेपित मिशन के तहत अंतरिक्ष स्टेशन पहुंचे और 18 दिन के प्रवास के बाद 15 जुलाई को सुरक्षित पृथ्वी पर लौट आए। वे अंतरिक्ष स्टेशन जाने वाले पहले भारतीय बने।

मनरेगा में बदलाव गरीबों के पेट पर लात, नेशनल हेराल्ड मामले में भाजपा कर रही बदनामी: कुमारी शैलजा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव व सांसद कुमारी शैलजा ने कहा है कि मोदी सरकार ने मनरेगा में किए गए बदलावों के जरिए गांव-खेतों में रहने वाले गरीबों के पेट पर लात मारी है। तथाकथित "सुधारों" के नाम पर करोड़ों ग्रामीण गरीबों से काम करने का संवैधानिक अधिकार छीना जा रहा है। मनरेगा का नाम बदलना केवल प्रशासनिक फैसला नहीं, बल्कि महात्मा गांधी, ग्राम स्वराज और श्रमिकों की गरिमा का अपमान है। यह कदम गरीब परिवारों के साथ गंभीर अन्याय है। मुंबई कांग्रेस कार्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कुमारी शैलजा ने मनरेगा और नेशनल हेराल्ड से जुड़े मुद्दों पर केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। इस अवसर पर मुंबई कांग्रेस के प्रवक्ता व मीडिया समन्वयक श्री सुरेशचंद्र राजसंह तथा पूर्व नगरसेविका व महिला कांग्रेस की मुंबई अध्यक्ष ट्यूलिप मिरिंडा भी उपस्थित थीं। कुमारी शैलजा ने कहा कि देश के गरीबों को उनके अधिकार का रोजगार दिलाने के लिए सोनिया गांधी के दूरदर्शी नेतृत्व और मार्गदर्शन में डॉ. मनमोहन सिंह सरकार ने मनरेगा की शुरुआत की थी। यह 100 दिनों की रोजगार गारंटी देने वाली ऐतिहासिक योजना है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद में मनरेगा को लेकर निचले स्तर की टिप्पणियां कीं, लेकिन कोविड संकट के दौरान यही योजना लाखों गरीबों का मजबूत सहारा बनी। आज भाजपा सरकार मनरेगा के जरिए न सिर्फ महात्मा गांधी का नाम मिटाने का प्रयास कर रही है, बल्कि गरीबों की आजीविका भी छीन रही है, जो घोर अन्याय है। नेशनल हेराल्ड मामले पर बोलते हुए कुमारी शैलजा ने कहा कि मोदी सरकार ने जांच एजेंसियों का राजनीतिक हथियार की तरह दुरुपयोग कर कांग्रेस नेतृत्व—सोनिया गांधी और राहुल गांधी—को बदनाम करने की कोशिश की। वर्षों तक बिना किसी अपराध के मीडिया ट्रायल चलाया गया और जांच के नाम पर परेशान किया गया। माननीय न्यायालय द्वारा याचिका खारिज किए जाने से स्पष्ट हो गया कि यह मामला कानून नहीं, बल्कि राजनीतिक बदले की भावना से प्रेरित था। उन्होंने कहा कि अदालत का फैसला भाजपा सरकार द्वारा संस्थाओं के दुरुपयोग और विपक्ष की आवाज दबाने की राजनीति पर करारा तमाचा है। सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी को बेवजह बदनाम करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को इस्तीफा देना चाहिए—यह मांग कुमारी शैलजा ने की।

मनरेगा के नाम और स्वरूप से छेड़छाड़ महात्मा गांधी व ग्राम स्वराज का अपमान

सोनिया-राहुल को बदनाम करने पर मोदी–शाह से इस्तीफे की मांग

पीवीएस एक्सीलेंस अवार्ड–2025: बेस्ट पॉलिटिकल रिपोर्टर के रूप में दीपक कैतके सम्मानित

27 दिसंबर को मुंबई में भव्य समारोह, पत्रकारिता जगत की दिग्गज हस्तियों को मिलेगा सम्मान

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

पत्रकारिता के क्षेत्र में निष्पक्ष, निर्भीक और जनहितकारी रिपोर्टिंग के लिए दीपक कैतके को पीवीएस एक्सीलेंस अवार्ड–2025 के तहत बेस्ट पॉलिटिकल रिपोर्टर अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान पत्रकार विकास संघ (पीवीएस) की ओर से 27 दिसंबर को मालाड पश्चिम, लिंक रोड स्थित कांचपाड़ा के साईं पैलेस होटल में आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया जाएगा। पत्रकार विकास संघ अपनी सत्रह वर्षों की सतत, सृजनशील और सार्थक यात्रा पूर्ण कर अब अपने अठारहवें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। इस अवसर पर प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी पीवीएस एक्सीलेंस अवार्ड–2025 का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल, फोटोग्राफी, संपादन और रिपोर्टिंग सहित पत्रकारिता की विभिन्न विधाओं में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पत्रकारों, संपादकों और मीडिया कर्मियों को सम्मानित किया जाएगा।

अन्य सम्मानित हस्तियां

पीवीएस ज्यूरी अवार्ड–2025 (श्रेष्ठ संपादक) : संजय सावंत (आपला महानगर),पीवीएस ज्यूरी रजत जयंती अवार्ड–2025 : ओमप्रकाश तिवारी (दैनिक जागरण),पीवीएस जीवन गौरव (पत्रकार)–2025 : शेषनाथ सिंह (दोपहर का सामना),पीवीएस जीवन गौरव (फोटोग्राफर)–2025 : प्रदीप धीवर, बेस्ट रिपोर्टर (जनरल कैटेगरी) : भानु प्रकाश मिश्र (दैनिक भास्कर),बेस्ट क्राइम रिपोर्टर : डॉ. अखिलेश तिवारी (नवभारत टाइम्स), बेस्ट यंग जर्नलिस्ट : नम्रता अरविंद दुबे, बेस्ट डिजिटल जर्नलिस्ट : प्रवीण नालावडे,बेस्ट टीवी रिपोर्टर : कृष्णा सोनारवाडकर, बेस्ट फोटोग्राफर : शैलेश जाधव, बेस्ट वीडियो जर्नलिस्ट : राजेंद्र दशरथ धयालकर, पीवीएस ज्यूरी अवार्ड (स्व. शिवा देवनाथ स्मृति) – अंशकालिक पत्रकारिता : अनिल शुक्ला (नवभारत टाइम्स)और पीवीएस ज्यूरी अवार्ड (संपादकीय) : विक्रम जादव।

राजनीतिक पत्रकारिता में सशक्त पहचान

दैनिक महासागर के वरिष्ठ पत्रकार दीपक कैतके को राजनीतिक घटनाक्रमों पर तथ्यपरक, संतुलित और प्रभावशाली रिपोर्टिंग के लिए यह सम्मान दिया जा रहा है। पीवीएस ज्यूरी के अनुसार, कैतके ने जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाते हुए लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती दी है।

पीवीएस पत्रकार मित्र सम्मान–2025

पत्रकारों को सहयोग और सामाजिक सरोकारों में सक्रिय योगदान के लिए डॉ. अजय गुप्ता (मेडिकल सुपरिटेंडेंट, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर हॉस्पिटल), प्रेम प्रकाश दुबे, केशव अंचन, उदय प्रताप सिंह, सुनील काबरा और अभिषेक जाजू को पीवीएस पत्रकार मित्र सम्मान–2025 से सम्मानित किया जाएगा। पीवीएस एक्सीलेंस अवाइर्स के माध्यम से पत्रकारिता के मूल्यों, सच्चाई और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया जाता है। यह आयोजन न केवल पुरस्कार विजेताओं के कार्य को मान्यता देता है, बल्कि नई पीढ़ी के पत्रकारों को जिम्मेदार और निर्भीक पत्रकारिता के लिए प्रेरित भी करता है।

भारतीय डाक, महाराष्ट्र सर्किल ने विश्व ध्यान दिवस मनाया

मुंबई। डाक विभाग के महाराष्ट्र सर्किल ने आज मुंबई जनरल पोस्ट ऑफिस (जीपीओ) में वर्ल्ड प्राणिक हीलिंग फाउंडेशन और महाराष्ट्र के योग विद्या प्राणिक हीलिंग फाउंडेशन के सहयोग से विश्व ध्यान दिवस मनाया। विश्व ध्यान दिवस प्रतिवर्ष 21 दिसंबर को मनाया जाता है, जिसे संयुक्त राष्ट्र महासभा ने ध्यान और इसके व्यापक लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए घोषित किया था। संयुक्त राष्ट्र ने वैश्विक शांति, सद्भाव और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने में ध्यान की परिवर्तनकारी भूमिका को मान्यता दी है। कार्यक्रम का मुख्य सत्र मुंबई जीपीओ में आयोजित किया गया और यह उत्सव एक साथ महाराष्ट्र और गोवा में 88 जगहों पर यू-ट्यूब पर लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से आयोजित किया गया । इससे पूरे भारत और विदेश से भी सहभागिता संभव हुई। विभाग के लगभग 3,000 कर्मचारियों ने व्यक्तिगत रूप से और यू-ट्यूब लाइव के माध्यम से कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर को यादगार बनाने के लिए श्री अमिताभ सिंह, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, महाराष्ट्र सर्किल ने विश्व ध्यान दिवस के विषय पर एक विशेष कैंसलेशन के साथ एक विशेष आवरण जारी किया। कार्यक्रम में डॉ. मुकेश बत्रा, संस्थापक, डॉ. बत्रा ग्रुप ऑफ कंपनीज; श्री चेतन सोनपाल, ट्रस्टी, योग विद्या प्राणिक हीलिंग फाउंडेशन ऑफ महाराष्ट्र; और सुश्री रेखा रिजवी, निदेशक, मुंबई जीपीओ की उपस्थिति रही। प्राणिक योग, जो पारंपरिक योग प्रथाओं को प्राणिक हीलिंग के साथ एकीकृत करता है, ग्रैंडमास्टर चोआ कोक सुई द्वारा स्थापित एक ऊर्जा-आधारित उपचार प्रणाली है। इस सत्र में आज के तेज गति वाले दैनिक जीवन में ध्यान की प्रासंगिकता पर ध्यान केंद्रित किया गया । सुश्री सुमी लाजर धर, प्राणिक हीलिंग प्रशिक्षक और हीलर, ट्रस्टी, वर्ल्ड प्राणिक हीलिंग फाउंडेशन, भारत ने ऑनलाइन ध्यान सत्र आयोजित किया और प्रतिभागियों को संबोधित किया। इस उत्सव का उद्देश्य समग्र स्वास्थ्य के लिए ध्यान के महत्व को उजागर करना था। प्रतिभागियों ने मानसिक शांति और भावनात्मक स्वास्थ्य के मामले में सत्र के लाभों का अनुभव लिया।

वी.पी.एम. इंग्लिश हाई स्कूल का 53वां वार्षिक स्नेह सम्मेलन 'ऊर्जा' धूमधाम से संपन्न

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

वी.पी.एम. इंग्लिश हाई स्कूल, सी.बी.एस.ई., मुलुंड पूर्व में 53वां वार्षिक स्नेह सम्मेलन "ऊर्जा" अत्यंत उत्साह और उमंग के साथ आयोजित किया गया। इस वर्ष की थीम "भारत के त्योहार" रही, जिसने भारतीय संस्कृति की विविधता और एकता को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. निलेश अमृतकर ने विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों, अनुशासन और संस्कारों के महत्व पर जोर देते हुए प्रेरित किया। इसके बाद विद्यालय प्रभारी ने शैक्षणिक प्रगति और भविष्य की दिशा पर प्रकाश डाला।

सांस्कृतिक कार्यक्रम और त्योहारों की झलक

कार्यक्रम की शुरुआत गणपति वंदना से हुई। इसके बाद लोहड़ी, मकर संक्रांति, गणतंत्र दिवस, दीपावली, रक्षाबंधन, ईद, ओणम, गरबा और जन्माष्टमी जैसे भारतीय त्योहारों पर आधारित नृत्य प्रस्तुतियों ने दर्शकों का मन मोह लिया। स्नेह सम्मेलन का समापन भव्य ग्रैंड फिनाले फैशन शो के साथ हुआ, जिसे मुख्य अतिथि, प्रबंधन समिति, अभिभावक, शिक्षक और विद्यार्थियों ने खूब सराहा। यह आयोजन विद्यालय की शिक्षा और संस्कृति के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक साबित हुआ।

विद्यालय का दृष्टिकोण और लक्ष्य

प्रभारी प्रसन्ना पंडित ने कहा कि उनका लक्ष्य विद्यालय को मुलुंड का सर्वश्रेष्ठ सी.बी.एस.ई. स्कूल बनाने के साथ-साथ मुंबई और देश के अग्रणी शैक्षणिक संस्थानों में स्थापित करना है। प्रधानाचार्य अजिता नायर ने विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और भारतीय संस्कृति के सम्मान पर जोर दिया। गत वर्ष सी.बी.एस.ई. बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को एंडोमेंट पुरस्कार, विषयवार प्रथम स्थान प्राप्त छात्रों को विशेष पुरस्कार, तथा सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी एवं विशेष उपलब्धि पुरस्कार प्रदान किए गए। इसके साथ ही विद्यालय की पत्रिका "क्यूट" का 34वां अंक भी जारी किया गया।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में उत्साह से काम कर पाएंगे।

वृष वाणी में शब्दों का प्रयोग सोच-समझकर करें। प्रतिद्वंद्विता में कमी होगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा।

मिथुन धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश लाभ देगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

कर्क बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई पुराना रोग बाधा का कारण हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। विरोध होगा। आर्थिक नीति में परिवर्तन होगा।

सिंह जल्दबाजी व लापरवाही से हानि होगी। राजकीय कोप भुगतना पड़ सकता है। विवाद न करें। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा।

कन्या स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा। नौकरी में चैन रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

तुला किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है।

वृश्चिक आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। काम में मन नहीं लगेगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश से लाभ होगा।

धनु कोई अनहोनी होने की आशंका रहेगी। काम में मन नहीं लगेगा। व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि का प्रयोग करें।

मकर कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी। सहकर्मी सहयोग नहीं करेंगे। चिंता रहेगी। आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं।

कुंभ आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा। थकान व कमजोरी रह सकती है। वाणी में कड़े शब्दों के इस्तेमाल से बचें।

मीन रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में उत्साह से काम कर पाएंगे। भाग्य अनुकूल है, जल्दबाजी न करें। प्रसन्नता रहेगी।

राशियाँ नहीं रोकतीं हमें, हमारी मन की आदतें रोकती हैं: सफलता के रास्ते में छिपे बारह अदृश्य बंधन

भारतीय जीवन-दर्शन में अपना घर केवल ईंट-पत्थर की संरचना नहीं होता, वह सुरक्षा, स्थिरता, सम्मान और आत्मिक संतोष का प्रतीक माना जाता है। इसी कारण ज्योतिष में मकान, भूमि और गृह-सुख को अत्यंत महत्वपूर्ण विषय माना गया है। जब कोई व्यक्ति यह प्रश्न करता है कि उसके जीवन में स्वयं का मकान बनेगा या नहीं, तो कुंडली उसके जीवन की उस गहरी इच्छा और कर्मफल को स्पष्ट कर देती है। ग्रहों की स्थिति यह बताती है कि यह सपना सहज रूप से पूरा होगा या संघर्ष, विलंब और मानसिक बेचैनी के बाद। कुंडली में सबसे पहले चतुर्थ भाव देखा जाता है, क्योंकि यही भाव गृह, भूमि, भवन, माता, आंतरिक शांति और स्थायी सुख का प्रतिनिधित्व करता है। यदि यह भाव बलवान हो, शुभ ग्रहों से युक्त या दृष्ट हो, तो व्यक्ति के जीवन में अपना घर बनने की संभावना प्रबल हो जाती है। जिन जातकों की कुंडली में चौथा भाव मजबूत होता है, वे चाहे देर से ही सही, लेकिन जीवन में एक स्थायी निवास अवश्य प्राप्त करते हैं। यह घर कभी पैतृक रूप में मिलता है, कभी स्वयं के प्रयास से खरीदा जाता है और कभी जीवनसाथी या परिवार के सहयोग से बनता है।

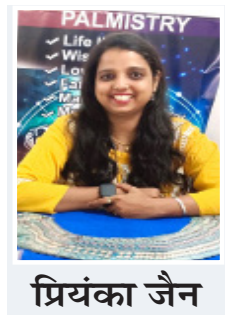

प्रियंका जैन
9769994439

चंद्रमा और मंगल का इस विषय में विशेष महत्व है। चंद्रमा मन, संतोष और मातृसुख का कारक है, जबकि मंगल भूमि, निर्माण और स्थायित्व का। जब कुंडली में चंद्र और मंगल दोनों ही शुभ और बलवान होते हैं, तब व्यक्ति के भीतर घर बनाने की तीव्र इच्छा भी होती है और परिस्थितियाँ भी उसके पक्ष में बनने लगती हैं। ऐसे जातक भूमि से जुड़े निर्णय सही समय पर लेते हैं और अक्सर उन्हें उचित मूल्य पर अच्छा घर मिल जाता है। यदि चंद्रमा कमजोर हो, तो घर बनाने की प्रक्रिया में मानसिक तनाव, बार-बार योजना बदलना और माता-पिता का अपेक्षित सहयोग न मिलना देखा जाता है।

शुक्र ग्रह यह दर्शाता है कि घर कैसा होगा। शुक्र जितना शुभ, उच्च या बलवान होगा, उतना ही घर सुंदर, सुसज्जित और सुख-सुविधाओं से युक्त होगा। ऐसे लोगों का मकान प्रायः अच्छी कॉलोनी में, रौनक वाले क्षेत्र में या सौंदर्य की दृष्टि से आकर्षक स्थान पर होता है। घर के अंदर भी सजावट, स्वच्छता और सौंदर्यबोध स्पष्ट दिखाई देता है। यदि शुक्र पीड़ित हो, तो घर तो बन जाता है, लेकिन वैसा नहीं होता जैसा व्यक्ति ने कल्पना की होती है। मंगल यदि नीच का हो या राहु से पीड़ित हो, तो घर से जुड़े मामलों में कई प्रकार की परेशानियाँ आती हैं। कभी निर्माण अधूरा रह जाता है, कभी कानूनी अड़चनें आती हैं, कभी घर में रहते हुए भी मन अशांत रहता है। ऐसे मामलों में व्यक्ति को यह अनुभव होता है कि घर है, लेकिन गृह-सुख नहीं है। राहु का प्रभाव विशेष रूप से तब कष्टदायक होता है, जब वह चतुर्थ भाव या चतुर्थेश को प्रभावित करता है। ऐसे जातक कई बार अपना घर होते हुए भी किराए के मकान में रहने को विवश हो जाते हैं या सरकारी आवास में जीवन बिताते हैं। उनका स्वयं का घर किसी और के उपयोग में चला जाता है या उनसे दूर रहता है।

न्यूज़ ब्रीफ

पुरानी रंजिश में युवक की हत्या

लखनऊ। राजधानी के पारा थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक दिल दहला देने वाली वारदात सामने आई, जहां एक युवक की बेरहमी से पिटाई कर हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की छानबीन शुरू कर दी है। पुलिस ने एक आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शनिवार रात करीब ढाई बजे पीआरवी के जरिए सूचना मिली कि ग्राम पारूखेड़ा में एक युवक की हत्या कर दी गई है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने देखा कि 26 वर्षीय शिव प्रकाश का शव घर के बाहर सड़क पर खून से सना पड़ा था। प्रारंभिक जांच में उसके सिर पर किसी भारी वस्तु, संभवतः लोहे की रॉड से किए गए कई वार के निशान मिले हैं। जांच में सामने आया है कि शिव प्रकाश भट्टे पर मजदूरी करता था और उसका गांव के ही सतीश से लंबे समय से विवाद चल रहा था। आरोप है कि इसी रंजिश के चलते सतीश देर रात शिव प्रकाश के घर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए दरवाजा पीटने लगा। जैसे ही दरवाजा खुला, उसने शिव प्रकाश को घसीटकर सड़क पर ले गया और वहां लोहे की रॉड से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आई पत्नी भी इस दौरान घायल हो गई। शोर-शराबा और लोगों के इकट्ठा होने पर आरोपी मौके से फरार हो गया। थाना प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि मृतक के पिता शिवदीन की तहरीर पर संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। आरोपी सतीश को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले के सभी पहलुओं की गहन जांच की जा रही है और दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

एंटी करप्शन के हत्थे चढ़ा घूसखोर दरोगा

लखनऊ। राजधानी में भ्रष्टाचार के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए एंटी करप्शन टीम ने शनिवार देर रात एक दारोगा को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। आरोपी दारोगा को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। पुलिस के अनुसार, पीजीआई थाने में तैनात दारोगा अमर कुमार पर कार रिलीज से जुड़ी रिपोर्ट के नाम पर रिश्वत मांगने का आरोप था। शिकायत मिलने पर एंटी करप्शन टीम ने जाल बिछाकर कार्रवाई की और रिश्वत की रकम लेते ही दारोगा को पकड़ लिया। जांच में केमिकल टेस्ट से रिश्वत लेने की पुष्टि हुई। आरोपी के खिलाफ गोसाईगंज थाने में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

बेटे ने ली बुजुर्ग पिता की जान

प्रयागराज। जिले के बारा थाना क्षेत्र में शनिवार रात घरेलू विवाद के दौरान एक बेटे ने अपने ही पिता की डंडे से पीटकर हत्या कर दी। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, पंडित का पूरा गांव निवासी 68 वर्षीय राम बहादुर का पशुओं के चारे को लेकर बेटे रामबाबू से विवाद हो गया था। इसी दौरान बेटे ने लाठी से सिर पर वार कर दिया, जिससे बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने आरोपी बेटे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

रक्सौल से सेना का भगोड़ा नार्को टेररिस्ट गिरफ्तार

एजेंसी । पूर्वी चंपारण

पंजाब पुलिस की स्टेट स्पेशल आपरेशन सेल ने दो को किया गिरफ्तार

विदेश भागने की फिराक में रहे आरोपी के पास से हैंड ग्रेनेड बरामद

पाकिस्तानी हैंडलर के संपर्क में था आतंकी

बिहार में पूर्वी चंपारण जिले के भारत-नेपाल सीमा स्थित रक्सौल से एक बड़े नार्को-आतंक नेटवर्क का खुलासा हुआ है। पंजाब पुलिस की स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) ने हरैया थाना पुलिस के साथ मिलकर भारतीय सेना से फरार एक जवान और उसके सहयोगी को गिरफ्तार किया है। पंजाब पुलिस के महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव के अनुसार एसएसओसी मोहाली की टीम ने सेना के भगोड़े जवान राजबीर सिंह उर्फ फौजी को बिहार के पूर्वी चंपारण जिले के इंडो-नेपाल बार्डर रक्सौल से पकड़ा है। वह नेपाल के रास्ते देश से भागने की फिराक में था। उसके पास से 500 ग्राम हेरोइन और एक हैंड ग्रेनेड बरामद हुआ। पंजाब पुलिस व मीडिया रिपोर्टस के अनुसार पुलिस ने राजबीर के सहयोगी चिराग को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। चिराग पंजाब के फाजिल्का जिले की काशी राम कॉलोनी का रहने वाला है। उसके पास से 407 ग्राम हेरोइन और एक 9 एमएम पिस्टल मिली थी। जांच में सामने आया है कि चिराग, राजबीर के लिए कूरियर का काम करता था और नशीले पदार्थों की डिलीवरी में उसकी अहम भूमिका थी।

एसएसओसी की एआईजी डी सुदरविझी ने बताया कि राजबीर 2022 में इंटरनेट मीडिया के जरिए पाकिस्तानी हैंडलरों के संपर्क में आया था। जांच में यह भी पता चला है कि दोनों का सीधा संबंध पाकिस्तान के आतंकी-तस्कर नेटवर्क से था। हेरोइन की खेपों तक पहुंच के बदले वह संवेदनशील और गोपनीय सैन्य जानकारियां साझा कर रहा था।इतना ही नहीं, उसने अन्य सैन्य कर्मियों को भी इन हैंडलरों से मिलवाया। मामला दर्ज होने के बाद वह नेपाल में छिप गया और पंजाब-नेपाल के बीच आवाजाही करते हुए नशा तस्करी जारी रखी। पाकिस्तानी हैंडलर उसे नेपाल के रास्ते यूरोप भेजने की योजना बना रहे थे। फिलहाल पंजाब पुलिस राजबीर को ट्रांजिट रिमांड पर पंजाब लाने की तैयारी कर रहा है,जहां पूछताछ के बाद आगे की कारवाई की जायेगी।

फरवरी 2025 में सेना से हुआ था फरार

पंजाब पुलिस के अनुसार, राजबीर सिंह ने 2011 में भारतीय सेना जॉइन की थी। फरवरी 2025 में वह सेना से फरार हो गया था। उसका नाम 2025 में अमृतसर ग्रामीण के घरिंडा थाने में आधिकारिक गोपनीयता अधिनियम के तहत दर्ज जासूसी मामले में सामने आया था। जांच में यह भी खुलासा हुआ है कि दोनों आरोपी हरियाणा के सिरसा स्थित महिला पुलिस थाने पर हुए ग्रेनेड हमले की साजिश में भी शामिल थे। बताया गया कि राजबीर और चिराग ने अमृतसर ग्रामीण निवासी गुरजंत सिंह को हैंड ग्रेनेड उपलब्ध कराए थे। गुरजंत को हरियाणा पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। हमले के लिए आर्थिक सहायता भी चिराग के माध्यम से पहुंचाई गई थी।

सारण में हथियारबंद बदमाशों का आतंक, 50 लाख की लूट

एजेंसी । सारण

जिले में अपराधियों के हौसले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। ताजा घटना बनियापुर थाना क्षेत्र के पिठौरी तख्त गांव की है, जहां शनिवार शाम हथियारबंद बदमाशों ने एक घर में धावा बोलकर करीब 50 लाख रुपये की नकदी और जेवरात लूट लिए। वारदात के बाद पूरे इलाके में दहशत का माहौल है। पीड़ित गोविंद सिंह के अनुसार, शाम करीब साढ़े छह बजे चार युवक जबरन घर में घुस आए। हथियारों के बल पर उन्होंने परिवार के सभी सदस्यों को बंधक बना लिया और विरोध करने पर मारपीट की। लगभग एक घंटे तक घर में उत्पात मचाते हुए डकैतों ने तीन लाख रुपये नकद और करीब 40 लाख रुपये मूल्य के सोने-चांदी के आभूषण लूट लिए। जाते-जाते अपराधियों ने मोबाइल फोन तोड़ दिए और कुछ फोन अपने साथ ले गए।

फुटेज से की जा रही लुटेरों की पहचान

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। वरीय पुलिस अधीक्षक डॉ. कुमार आशीष, एसडीपीओ सदर-2 और बनियापुर थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। एसएसपी ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर जल्द खुलासे और बरामदगी का भरोसा दिलाया है। पुलिस ने आसपास के इलाकों में छापेमारी शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर अपराधियों की पहचान की जा रही है। प्रशासन का दावा है कि जल्द ही इस डकैती का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा। वहीं, लगातार हो रही वारदातों से ग्रामीणों में भय और आक्रोश दोनों व्याप्त हैं।

सहारनपुर और बुलंदशहर में एनकाउंटर, दो इनामिया ढेर

एसटीएफ मुठभेड़ में ढेर हुआ एक लाख का इनामिया अपराधी सिराज

हत्याकांड समेत अन्य मामलों का आरोपी सुल्तानपुर से हुआ था फरार

एजेंसी । सहारनपुर

जिले के गंगोह क्षेत्र में शनिवार देर रात एसटीएफ और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में सुल्तानपुर से फरार चल रहा एक लाख रुपये का इनामी अपराधी सिराज मारा गया। सिराज एक चर्चित हत्याकांड में वांछित था और लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बाहर था। सूत्रों के अनुसार, एसटीएफ को खुफिया जानकारी मिली थी कि सिराज गंगोह इलाके में किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की तैयारी में है। सूचना के आधार पर टीम ने इलाके में घेराबंदी कर चेकिंग अभियान शुरू किया। इसी दौरान एक संदिग्ध बाइक सवार को रोकने का प्रयास किया गया, लेकिन उसने एसटीएफ टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में सिराज गोली लगने से मारा गया। बताया गया है कि सिराज शातिर किस्म का अपराधी था और उसके खिलाफ हत्या, लूट, डकैती, अवैध हथियार रखने तथा गैंगस्टर एक्ट सहित करीब 30 आपराधिक मामले दर्ज थे। सुल्तानपुर के हत्याकांड के बाद से वह लगातार स्थान बदलकर पुलिस से बचता फिर रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए उत्तर प्रदेश पुलिस ने एक लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस कार्रवाई से क्षेत्र में सक्रिय आपराधिक गिरोहों पर प्रभावी अंकुश लगेगा और कानून-व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

बुलंदशहर में मारा गया 50 हजार का इनामिया

एजेंसी । बुलंदशहर

जिले में शनिवार देर रात पुलिस और बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़ में 50 हजार रुपये का इनामी अपराधी मारा गया, जबकि बदमाशों की फायरिंग में एक पुलिसकर्मी घायल हो गया। घायल सिपाही का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, कोतवाली देहात और गुलावठी थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई के दौरान स्याना रोड से बंबा रोड तक पीछा करते हुए बदमाशों को घेरा गया। जवाबी फायरिंग में मेरठ निवासी आजाद उर्फ जुबैर उर्फ पीटर को गोली लगी, जिसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। उसका एक साथी मौके से फरार हो गया। मृतक जुबैर पर लूट, चोरी और गैंगस्टर एक्ट समेत करीब 47 मुकदमे विभिन्न जनपदों में दर्ज थे। पुलिस ने उसके पास से तमंचा और बाइक बरामद की है। फरार बदमाश की तलाश में दबिशें दी जा रही हैं।

आयुष हत्याकांड: मुठभेड़ में चार आरोपी गिरफ्तार

गिरफ्त में आए तीन आरोपी शूटर, अंधेरे का लाभ उठा एक हुआ फरार

एक दिन पहले रोबिन सिंह ने किया था सरेंडर

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस हत्याकांड की साजिश रचने वालों में रोहित वर्मा, राज वर्मा, पवन सिंह और रोबिन सिंह शामिल हैं, जिनके खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज है। इनमें से रोबिन सिंह ने एक दिन पहले मऊ कोतवाली में आत्मसमर्पण कर दिया था। पुलिस का कहना है कि मामले में शेष फरार अभियुक्त की जल्द गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं और आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

बलिया। जिले के बहुचर्चित आयुष यादव हत्याकांड में पुलिस को अहम कामयाबी मिली है। शनिवार देर रात हुई मुठभेड़ के बाद पुलिस ने हत्या में शामिल तीन शूटरों समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया, जबकि एक अभियुक्त मौके से फरार होने में सफल रहा। गौरतलब है कि 13 दिसंबर को उभांव थाना क्षेत्र के बेल्थरारोड में आयुष यादव की उसके घर के पास गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस सनसनीखेज वारदात में पांच युवकों को नामजद किया गया था। एक सप्ताह तक कोई गिरफ्तारी न होने से पुलिस पर लगातार दबाव बढ़ रहा था। अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) दिनेश शुक्ल ने बताया कि रविवार तड़के सूचना के आधार पर मधुबन मार्ग पर चैनपुर के पास पुलिस ने घेराबंदी की। इसी दौरान बदमाशों से मुठभेड़ हो गई, जिसमें चार आरोपियों के पैरों में गोली लगी और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। फरार अभियुक्त की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं। गिरफ्तार आरोपियों के पास से एक हैरियर और एक ऑरा कार, घटना में प्रयुक्त दोपहिया वाहन तथा अवैध हथियार बरामद किए गए हैं।

नौकरी के नाम पर 34 लाख रुपये ठगा

हरिद्वार। रोजगार दिलाने के नाम पर छह से अधिक लोगों से करीब 34 लाख रुपये की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। पीड़ितों ने आरोपी पक्ष पर भरोसा एक पुलिसकर्मी के परिचय के चलते किया, लेकिन बाद में उन्हें ठगी का शिकार होना पड़ा। मामले में युवती समेत दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, मंगलौर क्षेत्र निवासी नितिन कुमार, जो उत्तराखंड पुलिस में कार्यरत हैं, ने कोतवाली सिविल लाइंस रुड़की में तहरीर दी है। नितिन का वर्ष 2022 में अपने मित्र के माध्यम से विनय सैनी से परिचय हुआ था। विनय के साथ रहने वाली विनीका सैनी को उसकी मंगेतर बताते हुए यह दावा किया गया कि वह रुड़की में प्लेसमेंट सेंटर चलाती है और युवाओं को नौकरी दिलवाती है। इस विश्वास में आकर नितिन ने अपने रिश्तेदारों और परिचितों को नौकरी के लिए उनसे मिलवाया। आरोप है कि दोनों ने विभिन्न लोगों से नौकरी लगवाने के नाम पर अलग-अलग रकम वसूली और आईआईटी रुड़की में इंटरव्यू कराकर फर्जी ज्वाइनिंग लेटर भी थमा दिए।

व्यापार जगत

वेदांता के शेयरधारकों को मिलता रहेगा लाभांश

समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने कहा- कंपनियां नियमित जारी रखेंगी भुगतान

एजेंसी । मुंबई

वेदांता समूह के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने शेयरधारकों को आश्वस्त किया कि आगामी डिमर्जर और विस्तार योजनाओं के बावजूद कंपनियां नियमित लाभांश भुगतान जारी रखेंगी। उन्होंने कहा, "लाभांश मेरे खून में है, चाहे कुछ भी हो हमारी कंपनियां हमेशा लाभांश देंगी।" राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने बीते मंगलवार को वेदांता के डिमर्जर की योजना को मंजूरी दी है। योजना के तहत धातु से लेकर तेल और गैस तक के व्यवसाय को अलग-अलग सूचीबद्ध कंपनियों में विभाजित किया जाएगा। डिमर्जर के बाद बेस मेटल्स कारोबार वेदांता लिमिटेड में रहेगा, जबकि वेदांता एल्युमिनियम, तलवंडी साबो पावर, वेदांता स्टील एंड आयरन और मालको एनर्जी स्वतंत्र कंपनियों के रूप में काम करेंगी। वर्तमान वित्तीय वर्ष 2025-26 में कंपनी ने पहला अंतरिम लाभांश सात रुपये प्रति शेयर और दूसरा अंतरिम लाभांश 16 रुपये प्रति शेयर घोषित किया है। पिछले वर्ष कुल लाभांश लगभग 46 रुपये प्रति शेयर रहा। अनिल अग्रवाल ने विस्तार योजनाओं का विवरण देते हुए बताया कि अगले 4-5 वर्षों में वेदांता 20 बिलियन डॉलर का निवेश करेगी। इसमें तेल और गैस तथा एल्युमिनियम में 4-4 बिलियन डॉलर, जिंक और सिल्वर में 2 बिलियन डॉलर, पावर में 2.5 बिलियन डॉलर और शेष निवेश आयरन, स्टील व अन्य कारोबारों में किया जाएगा।

2030 तक दोगुना किया जाएगा उत्पादन

कंपनी का लक्ष्य है कि 2030 तक सिल्वर उत्पादन 1500 टन तक दोगुना किया जाए, सीसा उत्पादन 4 लाख टन से बढ़ाकर 20 लाख टन, जिंक उत्पादन 1.13 मिलियन टन से बढ़ाकर 2 मिलियन टन और एल्युमिनियम क्षमता 3 मिलियन टन से दोगुनी की जाए। तेल और गैस उत्पादन को 3 लाख बैरल प्रतिदिन से शुरू कर 5 लाख बैरल प्रतिदिन तक बढ़ाया जाएगा। आयरन और स्टील कारोबार हरे स्टील पर केंद्रित रहेगा, जबकि पावर कारोबार में 25000 मेगावॉट क्षमता का लक्ष्य रखा गया है, जिसमें 15000 मेगावॉट थर्मल और 5000 मेगावॉट अक्षय ऊर्जा शामिल है। डीमरजर के बाद प्रत्येक कंपनी का बोर्ड स्वतंत्र होगा और प्रमोटर्स 50 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हुए रोज़मर्रा के संचालन में शामिल नहीं होंगे। अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक कारोबार को स्वतंत्र और शुद्ध-खेल कंपनी के रूप में विकसित करना वेदांता की रणनीति का हिस्सा है। शेयरधारकों को हर एक वेदांता शेयर के लिए प्रत्येक डीमरज्ड कंपनी का एक शेयर मिलेगा।

विदेशी निवेशकों और वैश्विक आंकड़ों से तय होगी बाजार की दिशा

छुट्टियों के बीच सीमित कारोबार, डालर की चाल भी अहम

मुंबई। इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार की चाल कई कारकों पर निर्भर रहेगी। विशेषज्ञों का कहना है कि डॉलर की चाल, वैश्विक आर्थिक आंकड़े और विदेशी निवेशकों की गतिविधियां बाजार की दिशा तय करेंगी। हालांकि, क्रिसमस और नए साल की छुट्टियों के चलते यह सप्ताह अपेक्षाकृत छोटा और सीमित कारोबार वाला होगा। गुरुवार को बाजार क्रिसमस के अवसर पर बंद रहेंगे। रेलिगेयर ब्रोकिंग के सीनियर रिसर्च वाइस प्रेसिडेंट अजीत मिश्रा ने बताया कि घरेलू स्तर पर निवेशक इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर के आंकड़े, बैंक ऋण और जमा वृद्धि, विदेशी मुद्रा भंडार के साथ-साथ मुद्रा की चाल और कच्चे तेल की कीमतों पर नजर रखेंगे। वैश्विक स्तर पर अमेरिका सहित प्रमुख बाजारों के प्रदर्शन का भी असर देखा जाएगा।

...तो फिर बाजार में आएगी तेजी

एनरिच मनी के सीईओ पोनमुदी आर ने कहा कि घरेलू नकदी मजबूती जोखिम को कम कर रही है और यदि विदेशी निवेशकों की वापसी होती है तो बाजार में तेजी की संभावना है। अमेरिकी महंगाई आंकड़ों की अपेक्षा कम दर ने निवेशकों के बीच सकारात्मक धारणा पैदा की है, जो उभरते बाजारों के लिए अनुकूल मानी जा रही है। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स 338.3 अंक (0.39%) गिरा, जबकि निफ्टी 80.55 अंक (0.30%) नीचे आया।

छह कंपनियों का बाजार मूल्य 75,257 करोड़ रुपए बढ़ा

टीसीएस और इन्फोसिस में तेजी

मुंबई। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में प्रमुख कंपनियों के शेयरों में मिली-जुली रुझान देखने को मिली। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और इन्फोसिस की बढ़त से छह सबसे बड़ी कंपनियों का कुल बाजार मूल्य लगभग ७५,२५७ करोड़ रुपए बढ़ गया। टीसीएस का बाजार मूल्य २२,५९५ करोड़ रुपए बढ़कर ११,८७,६७३ करोड़ रुपए हो गया, जबकि इन्फोसिस ने १६,९७२ करोड़ रुपए का इजाफा किया और ६,८१,१९२ करोड़ रुपए तक पहुँच गया। भारतीय स्टेट बैंक का मूल्य १५,९२३ करोड़ रुपए बढ़कर ९,०४,७३९ करोड़ रुपए और रिलायंस इंडस्ट्रीज का १२,३१५ करोड़ रुपए बढ़कर २१,१७,९६७ करोड़ रुपए हो गया। भारती एयरटेल का बाजार मूल्य ७,३८४ करोड़ रुपए बढ़कर ११,९५,३३२ करोड़ रुपए और लार्सन एवं टुब्रो ६९ करोड़ रुपए बढ़कर ५,६०,४३९ करोड़ रुपए हो गया।

रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे महंगी

इस सप्ताह की प्रमुख कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे महंगी बनी, उसके बाद एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एवं टुब्रो और एलआईसी का क्रम रहा। मुख्य सूचकांक बीएसई हालांकि 8. अंक यानी 0.9 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ, लेकिन प्रमुख कंपनियों की बढ़त से निवेशकों को संतोषजनक संकेत मिले।

एचडीएफसी, एलआईसी को घाटा

वहीं, एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्य 21,920 करोड़ रुपए घटकर 15,16,69 करोड़ रुपए , एलआईसी 9,614 करोड़ रुपए घटकर 5,9,206 करोड़ रुपए और आईसीआईसीआई बैंक 8,428 करोड़ रुपए घटकर 9,68,241 करोड़ रुपए रहा। बजाज फाइनेंस का मूल्य भी 5,880 करोड़ रुपए घटकर 6,27,266 करोड़ रुपए पर आ गया।

भारतीय रेल: एक पैसा प्रति किमी बढ़ा साधारण किराया

उपनगरीय, मासिक और छोटी दूरी पर कोई बदलाव नहीं

26 दिसंबर से प्रभावी होगी नई सीमित किराया सूची

नई दिल्ली। भारतीय रेल ने 26 दिसंबर 2025 से यात्रियों के किराए में सीमित बदलाव करने का निर्णय लिया है। रेलवे का कहना है कि उपनगरीय सेवाओं और मासिक सीजन टिकटों के किराए पर कोई असर नहीं होगा, जबकि 215 किलोमीटर तक की साधारण यात्रा भी पहले जैसी ही रहेगी। लंबी दूरी की साधारण श्रेणी की यात्रा पर प्रति किलोमीटर 1 पैसा, जबकि मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों की नॉन-एसी व एसी श्रेणियों में प्रति किलोमीटर 2 पैसे की मामूली बढ़ोतरी की जाएगी। रेलवे के अनुसार, उदाहरण स्वरूप 500 किलोमीटर की नॉन-एसी यात्रा अब केवल 10 रुपए महंगी होगी।

600 करोड़ की अतिरिक्त आय की संभावना

रेलवे ने बताया कि इस संशोधन से चालू वित्त वर्ष में लगभग 600 करोड़ रुपए की अतिरिक्त आय होने की संभावना है। पिछले कुछ वर्षों में नेटवर्क और सेवाओं के विस्तार के चलते कर्मचारियों और पेंशन पर खर्च बढ़कर क्रमशः 1.15 लाख करोड़ और 60,000 करोड़ रुपए हो गया है। कुल परिचालन लागत वित्त वर्ष 2024-25 में 2.63 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई थी। रेलवे का कहना है कि वह सुरक्षा और दक्षता बढ़ाने के साथ माल ढुलाई को प्राथमिकता देते हुए खर्च पर नियंत्रण और सीमित किराया सुधार के उपायों पर ध्यान केंद्रित करेगा। हाल ही में त्योहारों के मौसम में 12,000 से अधिक ट्रेनों का सफल संचालन इसकी बेहतर कार्यक्षमता का उदाहरण है।

मेट्रो विस्तार से प्रदूषण पर लगाम की तैयारी

दिल्ली सरकार ने परिवहन बजट 60% बढ़ाया

एजेंसी । नई दिल्ली

दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण के बीच दिल्ली सरकार ने सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। सरकार का मानना है कि प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए दिल्ली मेट्रो के नेटवर्क का विस्तार और लास्ट माइल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करना बेहद जरूरी है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2025-26 के बजट में परिवहन विभाग के लिए 9,110 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जो पिछले वर्ष के मुकाबले करीब 60 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने कहा कि यह बढ़ोतरी केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं, बल्कि राजधानी की लाइफलाइन कही जाने वाली मेट्रो के प्रति सरकार की गंभीरता को दर्शाती है। सरकार ने दिल्ली मेट्रो परियोजनाओं के लिए 2,929 करोड़ रुपये का आवंटन किया है, जबकि पिछले वर्ष यह राशि करीब 500 करोड़ रुपये थी। सीएम ने कहा कि इससे मौजूदा और प्रस्तावित परियोजनाओं में किसी तरह की बाधा नहीं आएगी।

फेज-IV के तीन कॉरिडोर को मंजूरी

कैबिनेट ने एमआरटीएस फेज-IV के तहत तीन प्रमुख कॉरिडोर—लाजपत नगर-साकेत, इंद्रलोक-इंद्रप्रस्थ और रिठाला-कुंडली-को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं से दिल्ली के साथ-साथ एनसीआर की कनेक्टिविटी भी बेहतर होगी।मुख्यमंत्री ने बताया कि दिल्ली सरकार मेट्रो के फेज-I, II और III की करीब 2,700 करोड़ रुपये की पुरानी देनदारियों का भी भुगतान कर रही है। चालू वित्त वर्ष में 940 करोड़ रुपये पहले ही जारी किए जा चुके हैं।

वाहन उत्सर्जन पर नियंत्रण जरूरी

सीएम रेखा गुप्ता ने कहा कि सीएसई और अन्य शोध संस्थानों के अनुसार दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण की बड़ी वजह वाहनों से निकलने वाला उत्सर्जन है। इसे रोकने के लिए सार्वजनिक परिवहन को मजबूत करना अनिवार्य है। सरकार का लक्ष्य मेट्रो नेटवर्क को इतना व्यापक बनाना है कि लोगों को निजी वाहन निकालने की जरूरत न पड़े। इसके लिए बेहतर समन्वय, समय पर फंडिंग और तेज क्रियान्वयन पर काम किया जा रहा है।

'जीरो एमिशन' विजन की ओर कदम

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'नेट जीरो एमिशन' के विजन को साकार करने के लिए दिल्ली सरकार मिशन मोड में काम कर रही है। सरकार की प्राथमिकता एक ऐसी पर्यावरण-अनुकूल परिवहन व्यवस्था तैयार करना है, जिससे आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा मिल सके।

हुमायूं कबीर का बड़ा ऐलान

नई पार्टी बनाकर बंगाल की सभी 294 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस से निलंबित नेता हुमायूं कबीर ने पश्चिम बंगाल की राजनीति में बड़ा दांव चलने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि वह नई राजनीतिक पार्टी बनाकर राज्य की सभी 294 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेंगे और आगामी विधानसभा चुनाव में खुद को किंगमेकर की भूमिका में देखते हैं। हुमायूं कबीर सोमवार को मुर्शिदाबाद में अपनी नई पार्टी का औपचारिक गठन करेंगे। पार्टी के नाम का अभी खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन उन्होंने चुनाव आयोग में टेबल समेत तीन चुनाव चिन्हों के लिए आवेदन कर दिया है। कबीर ने स्पष्ट किया है कि उनकी पार्टी तृणमूल कांग्रेस के खिलाफ सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी।

हुमायूं कबीर ने कहा कि उनकी राजनीतिक लड़ाई बीजेपी और टीएमसी—दोनों के खिलाफ होगी। साथ ही उन्होंने यह भी संकेत दिए कि जरूरत पड़ने पर कांग्रेस, सीपीआई(एम) और ओवैसी की पार्टी के साथ गठबंधन की संभावनाओं को नकारा नहीं जा सकता। नई पार्टी के गठन से पहले ही मुर्शिदाबाद में हुमायूं कबीर के समर्थन में पोस्टर लगाए जाने लगे हैं। मिर्जापुर इलाके में बड़े कार्यक्रम की तैयारी चल रही है, जहां दावा किया जा रहा है कि करीब चार लाख लोग जुट सकते हैं।

हुमायूं कबीर ने दावा किया है कि मुर्शिदाबाद की 22 विधानसभा सीटों में से कम से कम 10 सीटें उनकी पार्टी जीतेगी। फिलहाल जिले में 20 सीटें टीएमसी और 2 सीटें बीजेपी के पास हैं। बता दें कि पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं और हुमायूं कबीर के इस ऐलान से राज्य की सियासत में हलचल तेज हो गई है।

पूर्वोत्तर पर कब्जे की धमकी

भारत सीमा पर तुर्किये के ड्रोन तैनात

हिंसा में घिरे बांग्लादेश की नई उकसावे वाली चाल

नई दिल्ली। हिंसा और राजनीतिक अस्थिरता से जूझ रहे बांग्लादेश में भारत विरोधी माहौल तेज होता जा रहा है। कट्टरपंथी तत्व 'सेवन सिस्टर्स' को लेकर भड़काऊ बयान दे रहे हैं और अब भारत की सीमा पर तुर्किये से खरीदे गए ड्रोन की तैनाती ने सुरक्षा चिंताएं और बढ़ा दी हैं। इंकलाब मंच के संयोजक शरीफ उस्मान हादी की मौत के बाद बांग्लादेश में हालात बिगड़े हैं। इस अशांति के बीच कुछ कट्टरपंथी समूह भारत के खिलाफ नफरत फैलाने में जुटे हैं—यहां तक कि भारतीय हाई कमीशन पर हमले की धमकियां भी दी जा रही हैं।

पिछले साल खरीदे गए थे TB-2 ड्रोन

सूत्रों के मुताबिक, यूनुस सरकार ने तुर्किये के 'बेयरकतर TB-2' ड्रोन भारत सीमा के पास तैनात किए हैं। ये ड्रोन पिछले साल तुर्किये से खरीदे गए थे और उन्हें पाकिस्तान की मध्यस्थता से हासिल किया गया था। सत्ता परिवर्तन के बाद ढाका-इस्लामाबाद संबंधों में बढ़ी निकटता के बीच यह कदम सामने आया है। हाल के दिनों में तुर्किये के ड्रोन भारतीय सीमा के नजदीक उड़ते देखे गए हैं। बीएसएफ ने संदिग्ध गतिविधियों को लेकर कई बार चेतावनी जारी की है।

भारत की सख्त चौकसी

बांग्लादेश की आंतरिक अशांति और सीमा पर बढ़ती गतिविधियों के मद्देनज़र भारत ने त्रिपुरा, असम और पश्चिम बंगाल में सुरक्षा कड़ी कर दी है। अंतरराष्ट्रीय सीमा पर निगरानी बढ़ाई गई है और बीएसएफ व सेना की अतिरिक्त तैनाती की गई है। पूर्वी कमांड के वरिष्ठ सैन्य और अर्धसैनिक अधिकारियों के उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने दक्षिण त्रिपुरा के संवेदनशील बॉर्डर इलाकों का दौरा कर सुरक्षा तैयारियों की समीक्षा की है। विक्ट्री डे से पहले बांग्लादेशी नेताओं के भड़काऊ बयानों—खासतौर पर 'सेवन सिस्टर्स' पर कब्जे की टिप्पणी—पर भारत ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए बांग्लादेश आर्मी चीफ वकार-उज-जमान ने भारतीय सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी से हॉटलाइन पर बातचीत की।

न्यूज़ ब्रीफ

ढाका यूनिवर्सिटी में बड़ा बदलाव

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम यूनुस सरकार के दौर में ढाका यूनिवर्सिटी से जुड़ा एक अहम और विवादास्पद फैसला सामने आया है। विश्वविद्यालय के बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान हॉल का नाम बदलकर अब 'शहीद शरीफ उस्मान हादी हॉल' कर दिया गया है। यह बदलाव हाल ही में मारे गए छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की याद में किया गया है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, शरीफ उस्मान हादी जुलाई आंदोलन के प्रमुख चेहरों में शामिल थे, जिसने पिछले साल शेख हसीना सरकार के पतन में अहम भूमिका निभाई थी। 12 दिसंबर को ढाका के बिजयनगर इलाके में एक चुनावी अभियान के दौरान नकाबपोश हमलावरों ने हादी के सिर में गोली मार दी थी। गंभीर रूप से घायल हादी को इलाज के लिए सिंगापुर ले जाया गया था, जहां छह दिन बाद उनकी मौत हो गई। उनकी मौत के बाद देशभर में आक्रोश फैल गया और कई इलाकों में हिंसा, तोड़फोड़ और विरोध प्रदर्शन देखने को मिले।

दमन-दानह में पल्स पोलियो अभियान शुरू

दमन। स्वास्थ्य विभाग, दमन-दानह द्वारा रविवार को राष्ट्रीय पल्स पोलियो टीकाकरण अभियान का शुभारंभ किया गया। अभियान के तहत जिले में 0 से 5 वर्ष तक के बच्चों को पोलियो की खुराक पिलाने का लक्ष्य रखा गया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि पोलियो के मामलों में भारी कमी आने के बावजूद बीमारी को पूरी तरह खत्म करने और नए मामलों की रोकथाम के लिए यह अभियान चलाया जा रहा है। इसके लिए शहरी, ग्रामीण और दूर-दराज के इलाकों तक विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। अभियान के दौरान स्वास्थ्यकर्मियों और स्वयंसेवकों की टीमें घर-घर जाकर बच्चों को पोलियो ड्रॉप्स पिला रही हैं। इसके अलावा बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन, बाजार और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर भी पोलियो बूथ लगाए गए हैं। स्वास्थ्य विभाग ने अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने बच्चों को पोलियो की खुराक जरूर पिलवाएं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि पोलियो ड्रॉप्स पूरी तरह सुरक्षित हैं और बच्चों के स्वस्थ भविष्य के लिए जरूरी हैं। यह अभियान राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत राज्य सरकार के सहयोग से संचालित किया जा रहा है, जिसमें स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, आशा वर्कर, जनप्रतिनिधि और सामाजिक संस्थाएं सक्रिय रूप से भाग ले रही हैं।

बाबरी मुद्दा राजनीति से प्रेरित : भागवत

कोलकाता। आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने बंगाल दौरे के दौरान कहा कि सरकारें आती-जाती रहती हैं, लेकिन धर्म हमेशा बना रहता है। उन्होंने बाबरी मस्जिद से जुड़े विवाद को पूरी तरह राजनीतिक बताते हुए कहा कि यह मुद्दा न हिंदुओं के हित में है और न मुसलमानों के, बल्कि सिर्फ वोट की राजनीति के लिए उठाया जाता है। भागवत ने कहा कि मंदिर-मस्जिद विवाद पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला आ चुका है, इसके बावजूद ऐसे मुद्दों को दोबारा उछालना समाज के लिए खतरनाक है। उन्होंने यह भी कहा कि धार्मिक स्थलों की सुरक्षा सरकार कर सकती है, लेकिन उनके संचालन में सरकारी धन का इस्तेमाल कानूनन गलत है। संघ प्रमुख ने बंगाल में मुस्लिम कट्टरपंथ बढ़ने का दावा करते हुए सीमा से घुसपैठ का मुद्दा उठाया और कहा कि हिंदुओं के लिए भारत ही एकमात्र देश है। साथ ही, उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचारों पर चिंता जताते हुए वैश्विक हिंदू समाज से मदद की अपील की।भागवत ने स्पष्ट किया कि आरएसएस मुस्लिम विरोधी नहीं, बल्कि राष्ट्रवादी संगठन है। हिंदू राष्ट्र पर उन्होंने कहा कि भारत की सांस्कृतिक पहचान हिंदुत्व से जुड़ी है।

बंगाल में 'जागो मां' गाने पर हंगामा

लाइव शो में गायिका से बदसलूकी, आरोपी पर मामला दर्ज

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर (ईस्ट मिदनापुर) जिले में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान बड़ा विवाद खड़ा हो गया। लोकप्रिय बंगाली गायिका लाग्नजिता चक्रवर्ती ने एक स्थानीय व्यक्ति पर मंच पर चढ़कर धमकाने और शारीरिक हमला करने की कोशिश का आरोप लगाया है। घटना शुक्रवार शाम भगवानपुर स्थित एक स्कूल में आयोजित कार्यक्रम की है। गायिका ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपना गीत 'जागो मां' प्रस्तुत कर चुकी थीं और अगला गीत शुरू करने वाली थीं, तभी महबूब मलिक नाम का व्यक्ति मंच पर चढ़ आया। आरोप है कि उसने कार्यक्रम में व्यवधान डाला और सार्वजनिक रूप से महिला कलाकार को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी। गायिका के मुताबिक, आरोपी 'सेक्युलर' गीत न गाने को लेकर नाराज था। लाग्नजिता चक्रवर्ती ने कहा कि पूरा कार्यक्रम स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरों में रिकॉर्ड हुआ है, जबकि आयोजकों ने भी शो की वीडियो रिकॉर्डिंग की है। उन्होंने पुलिस से फुटेज सुरक्षित कर सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि मंच पर एक महिला कलाकार के साथ हुई बदसलूकी को नजरअंदाज न किया जाए।

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप

घटना ने राजनीतिक रंग भी ले लिया है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि महबूब मलिक सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस का स्थानीय नेता है। भाजपा नेता शंकुदेव पांडा का दावा है कि गायिका और उनकी टीम को डराया-धमकाया गया, जिसके चलते उन्हें देर रात कोलकाता लौटना पड़ा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि शुरुआत में पुलिस ने मामले को माफी के जरिए सुलझाने की कोशिश की। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है। ईस्ट मिदनापुर के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मिथुन डे ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। साथ ही, स्थानीय थाना प्रभारी के खिलाफ विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं। इस बीच भाजपा ने जिला प्रशासन को 48 घंटे का अल्टीमेटम देते हुए चेतावनी दी है कि यदि आरोपी की जल्द गिरफ्तारी नहीं हुई तो राज्यव्यापी आंदोलन किया जाएगा।

इस्लामी आतंकवाद अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा : तुलसी गबार्ड

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका की राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड इस्लामिक विचारधारा पर सख्त टिप्पणी की है। उन्होंने वार्षिक अमेरिका महोत्सव में इस्लामी आतंकवाद अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा है। उन्होंने कहा कि इसका इस्लामवाद स्वरूप भी खतरनाक है। इस्लामी उग्रवाद पश्चिमी सभ्यता के लिए भी सबसे बड़ा खतरा है।

अमेरिका के सूचना संचार माध्यम 'सी-एसपीएएन' (केबल-सैटेलाइट पब्लिक अफेयर्स नेटवर्क) की वेबसाइट की रिपोर्ट के अनुसार खुफिया अधिकारी तुलसी गबार्ड ने इस महोत्सव को 20 दिसंबर को संबोधित किया।

उन्होंने कहा कि इस्लामी उग्रवाद आज इंटरनेट में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने कहा कि इस वैचारिक खतरे का सामना करना होगा।

गबार्ड ने कहा कि युवाओं को कट्टरपंथी बनाया जा रहा है। क्रिसमस पर भी इस्लामी विचारधारा का खौफ है। जर्मनी में क्रिसमस बाजार रद्द किए जा रहे हैं। मिशिगन, मिनयापोलिस और मिनेसोटा में मौलवी खुलेआम इस इस्लामी विचारधारा को बढ़ावा दे रहे हैं और युवाओं को कट्टरपंथी बना रहे हैं।

तुलसी गबार्ड ने कहा, 'इस साल की शुरुआत में इस्लामिक संगठनों की एक बैठक हुई थी, जिसमें अमेरिका में कई जगहों पर शरिया कानून लागू करने की मांग की गई थी। ह्यूस्टन जैसी जगह पर ये पहले से ही लागू है। ये हमारी सीमाओं में पहले से ही लागू है। पैटरसन, न्यूजर्सी अपने आप को पहला मुस्लिम शहर बताने में गर्व महसूस करता है। इस्लामी कानूनों को लोगों पर थोपने की कोशिश हो रही है।'

हिजाब विवाद पर जीतनराम मांझी का नीतीश के समर्थन में बयान

गया। आयुष विभाग की महिला डॉक्टर के हिजाब से जुड़े विवाद पर केंद्रीय मंत्री और हिंदुस्तान आवाम मोर्चा के राष्ट्रीय संरक्षक जीतनराम मांझी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के समर्थन में सामने आए हैं। गया में एक कार्यक्रम के दौरान मीडिया से बातचीत में मांझी ने कहा कि इस पूरे मामले को बेवजह तूल दिया जा रहा है। जीतनराम मांझी ने कहा कि अगर ऐसी हरकत किसी 22 साल के युवक से हुई होती तो बात समझ में आती, लेकिन नीतीश कुमार 74 साल के अनुभवी और वरिष्ठ नेता हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को इस नजरिए से देखना गलत है और उनके हर कदम को एक अभिभावक की भावना से समझा जाना चाहिए।

स्वच्छता के बाद खेलों में भी इंदौर की नई पहचान

मुख्यमंत्री मोहन यादव बोले- राष्ट्रीय खेल आयोजनों का अहम केंद्र बन रहा शहर

इंदौर। देश में स्वच्छता के लिए नंबर वन रहने वाला इंदौर अब खेल आयोजनों के क्षेत्र में भी अपनी अलग पहचान बना रहा है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इंदौर में आयोजित 7वें नेशनल रैंकिंग पिकलबॉल टूर्नामेंट 2025 के समापन समारोह में कही। उन्होंने कहा कि इंदौर हर दौर में आगे रहा है और अब खेलों के मामले में भी देश का महत्वपूर्ण केंद्र बनता जा रहा है।

गोल्डन इंटरनेशनल स्कूल में मध्यप्रदेश पिकलबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में आयोजित इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता का भव्य समापन हुआ। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए और विजेता व उपविजेता खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग का भरोसा

मुख्यमंत्री ने पिकलबॉल जैसे उभरते खेल की बढ़ती लोकप्रियता पर खुशी जताई और कहा कि

मध्यप्रदेश सरकार खेल और खिलाड़ियों के सर्वांगीण विकास के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने सिंगल्स, डबल्स और मिक्स्ड डबल्स श्रेणियों के विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी और उन्हें हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर 90 वर्षीय पिकलबॉल खिलाड़ी वेंकट अय्यर सहित अन्य खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया, जिसने समारोह को और खास बना दिया।

हिंदू युवक की हत्या के विरोध में नेपाल में प्रदर्शन

मुस्लिम समाज ने भी की भर्त्सना

एजेंसी । काठमांडू

बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में झूठे आरोप के आधार पर एक हिंदू युवक की पिटाई कर हत्या करने और शव जलाने की घटना के विरोध में वीरगंज में हिंदू युवाओं ने प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने घटना में संलिप्त लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग करते हुए बांग्लादेश सरकार की आलोचना की। प्रदर्शन में शामिल हिंदू युवाओं ने "हिंदुओं की हत्या नहीं चलेगी", "बांग्लादेशी मुसलमान मुर्दाबाद" जैसे नारे लगाते हुए वीरगंज नगर का परिक्रमा किया। इसके बाद वे घंटाघर पहुंचे, जहां उन्होंने बांग्लादेश के झंडे अंकित चित्र को आग लगाकर अपना विरोध जताया।

प्रदर्शनकारी युवाओं ने आरोप लगाया कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू असुरक्षित हैं और इस तरह की निर्मम हत्याओं के बावजूद सरकार अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं कर रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे।

बांग्लादेश में इससे पहले भी अल्पसंख्यक हिंदुओं पर दमन होता रहा है

घंटाघर में आयोजित कोणसभा को संबोधित करते हुए हिंदू युवा नेता विकास साह ने कहा कि बांग्लादेश में इससे पहले भी अल्पसंख्यक हिंदुओं पर दमन होता रहा है। उन्होंने कहा कि हिंदू धर्म शांति प्रेमी है और दुनिया के किसी भी कोने में हिंदुओं पर होने वाले अत्याचार और हिंसा को सहन नहीं किया जाएगा। साह ने कहा, "बांग्लादेश सरकार को हिंदुओं की सुरक्षा की गारंटी देनी चाहिए।"

नेपाल मुस्लिम समाज संघ, पर्सा ने भी बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय के एक युवक की निर्मम हत्या की घटना की कड़ी निंदा की है। संघ के अध्यक्ष होने का दावा करने वाले महबूब अली (शेरू) ने इस अमानवीय घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार के प्रति हार्दिक संवेदना प्रकट की है। उन्होंने कहा कि हाल ही में बांग्लादेश में अल्पसंख्यक

हिंदू समुदाय के एक निर्दोष युवक की निर्मम हत्या की घटना ने हम सभी को गहरे दुख और चिंता में डाल दिया है। इस प्रकार की अमानवीय, घृणास्पद और हिंसक घटनाएं मानवता, सह-अस्तित्व और धार्मिक सहिष्णुता पर गंभीर प्रहार करती हैं। मुस्लिम संघ ने विश्वभर में बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक समुदायों के बीच भाईचारा, प्रेम, सौहार्द और पारस्परिक संबंध बनाए रखने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि धर्म, जाति या समुदाय के आधार पर होने वाली किसी भी प्रकार की हिंसा सभ्य समाज के लिए अस्वीकार्य है। नेपाल को हमेशा धार्मिक सहिष्णुता और सामाजिक एकता का उदाहरण बताते हुए पड़ोसी देश में अल्पसंख्यकों पर हो रही हिंसा को लेकर चिंता भी व्यक्त की गई है।

स्पोर्ट्स

पाकिस्तान ने जीता अंडर-19 एशिया कप 2025

दुबई। पाकिस्तान ने अंडर-19 एशिया कप 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया है। दुबई में खेले गए फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान ने आयुष म्हात्रे की कप्तानी वाली भारतीय टीम को 191 रन के बड़े अंतर से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ पाकिस्तान पहली बार अंडर-19 एशिया कप का निर्विवाद चैंपियन बना। इससे पहले 2012 में भारत के खिलाफ फाइनल टाई रहा था और दोनों टीमों को संयुक्त विजेता घोषित किया गया था। आईसीसी एकेडमी में रविवार (21 दिसंबर) को खेले गए इस हाई-वोल्टेज मुकाबले में पाकिस्तान के ओपनर समीर मिन्हास ने भारत की गेंदबाजी की धज्जियां उड़ा दीं। टॉस जीतकर भारत ने पहले गेंदबाजी चुनी, लेकिन यह फैसला पूरी तरह गलत साबित हुआ। मिन्हास ने सिर्फ 71 गेंदों में शतक पूरा किया और 113 गेंदों पर 172 रन की तूफानी पारी खेली। उनकी पारी में 17 चौके और 9 छक्के शामिल रहे। पाकिस्तान ने 8 विकेट पर 347 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया।यह मुकाबला कई मायनों में 2017 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल की याद दिलाने वाला रहा।

कोने-कोने से...

मालवण में नीलेश राणे की जीत

मुंबई। सिंधुदुर्ग जिले के मालवण नगर परिषद चुनाव में 'राणे बनाम राणे' की लड़ाई ने पूरे राज्य का ध्यान खींचा। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना

की ममता वरदकर ने बीजेपी उम्मीदवार को 1019 वोटों से शिकस्त दी। नीलेश राणे की सटीक योजना ने नितेश राणे के तमाम प्रयासों को विफल कर दिया। मालवण नगर परिषद के नतीजों ने सबको चौंका दिया, जहां एकनाथ शिंदे की शिवसेना ने न केवल मेयर पद जीता, बल्कि 20 में से 10 पार्षदों की सीटों पर भी कब्जा जमाया। इस जीत के साथ मालवण नगर परिषद पर शिवसेना का भगवा झंडा एक बार फिर शान से लहरा रहा है। जीत का अंतर 1019 वोटों का रहा, जो नीलेश राणे की जमीनी पकड़ को दर्शाता है।

जितनी शिंदे अकेले जीते जीते, उतनी तो MVA मिलकर भी नही जीत पाई

ठाणे। महाराष्ट्र के नगर परिषद् और नगर पंचायत चुनावों में एकनाथ शिंदे बड़े स्टार बनकर उभरे हैं। उनकी अगुवाई वाली शिवसेना ने अपने जीत के स्ट्राइक रेट से विरोधियों को होश उड़ा दिए हैं। शिंदे की सेना ने कई सीटों पर चुनावों में नंबर 1 पार्टी बनकर उभरी बीजेपी को शिकस्त दी है। महाराष्ट्र के स्थनीय निकाय चुनावों में कई जगह पर महायुति के घटक दल

आमने-सामने चुनाव लड़े थे। इसकी वजह यह थी कि स्थानीय स्तर पर गठबंधन नहीं हो पाया था। मोटेतौर पर शिवसेना ने राज्य में करीब 135 जगहों पर चुनाव लड़ा था। पार्टी ने 50 से अधिक नगराध्यक्ष पदों पर अधिक स्थानों पर जीत दर्ज की है। कुछ जगहों पर शिवसेना के अगुवाई वाले गठबंधन को जीत मिली है। एकनाथ शिंदे ने नगर परिषद और नगर पंचायत चुनावों में उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाली शिवसेना यूबीटी के मुकाबले पांच गुना से अधिक सीटें जीती हैं। यूबीटी सिर्फ सात जगह ही जीत पाई। एमवीए के तीनों घटकों में कांग्रेस को 34, शिवसेना यूबीटी को आठ और शरद पवार की पार्टी को सात स्थानों पर जीत मिली। ठाणे में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि महायुति लोकसभा, विधानसभा और नगर निगम चुनावों में सफल रही है।

नांदेड़ में बीजेपी का "परिवारवाद" दांव फेल!

नांदेड़। जिले की लोहा नगर परिषद के नतीजों ने पूरे महाराष्ट्र का ध्यान अपनी ओर खींचा है. अक्सर विपक्ष पर 'परिवारवाद' का आरोप लगाने वाली भारतीय जनता पार्टी को यहां खुद इसी मुद्दे पर करारी शिकस्त झेलनी पड़ी है. बीजेपी ने लोहा नगर परिषद चुनाव में एक ही परिवार के 6 सदस्यों को टिकट देकर एक बड़ा राजनीतिक दांव खेला था. मतदाताओं ने परिवारवाद के इस प्रयोग को पूरी तरह नकार दिया. नगराध्यक्ष पद के उम्मीदवार गजानन सूर्यवंशी समेत उनके परिवार के अन्य 5 सदस्य जो अलग-अलग वार्डों से पार्षद का चुनाव लड़ रहे थे हार गए।

जेन जी

महानगर की धड़कन युवा हैं—अब समय है कि फैसलों की कुर्सी पर भी युवाओं की आवाज़ बैठे। नगर निगम चुनाव में हमें सिर्फ वादे नहीं, भागीदारी चाहिए।

– दिव्या दुबे, मुंबई

साफ़ शहर, रोज़गार के अवसर और पारदर्शी प्रशासन—यही हमारी मांग है। महानगरपालिका चुनाव बदलाव का मौका है, राजनीति को नया खून देने का।

– अदिति मारू, मुंबई

हमें भेजें

अगर आप भी अपने विचार हमें भेजना चाहते हैं तो 8356804318 इस नंबर पर व्हाट्सप्प करें।

विश्लेषण — भिवंडी महानगरपालिका

किसके सिर सजेगा ताज?

अमित बृज । मुंबई

मनपा का चुनाव 15 जनवरी को होने जा रहा है। चुनाव के मद्देनजर मनपा प्रशासन और पुलिस विभाग जोरों से तैयारी में जुटा है। मनपा चुनाव में भाजपा, शिवसेना, समाजवादी पार्टी, कांग्रेस, एनसीपी और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना समेत अन्य दलों ने भिवंडी मनपा के आगामी चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। भिवंडी में महा विकास आघाड़ी बनने की संभावना नहीं होने के कारण कहा जा रहा है कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने अकेले चुनाव लड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। शिवसेना की ओर से उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे तथा सांसद श्रीकांत शिंदे द्वारा भाजपा गठबंधन की कोई आधिकारिक घोषणा भिवंडी के लिए नहीं किए जाने से शिवसेना में महायुति फाइनल को लेकर भ्रम फैला है, जिससे पदाधिकारी और इच्छुक उम्मीदवार असमंजस में हैं।

कुल 90 वार्ड

भिवंडी मनपा क्षेत्र को 23 वार्डों में विभाजित किया गया है। इनमें से 21 वार्डों में 4-4 नगरसेवक चुने जाएंगे, जबकि वार्ड क्रमांक 15 और 22 को 3 सदस्यीय वार्ड बनाया गया है। इस तरह मनपा में कुल 90 नगरसेवक होंगे। 2011 की जनगणना के अनुसार भिवंडी की कुल जनसंख्या 7,09,665 है। इसमें से अनुसूचित जाति के मतदाता 21,800 और अनुसूचित जनजाति के मतदाता 8,178 हैं। नए मसौदे के मुताबिक, 4 सदस्यीय वार्ड में औसतन 31,500 वोटर, जबकि 3 सदस्यीय वार्ड में करीब 23,600 वोटर होंगे। सबसे बड़ा वार्ड क्रमांक 17 है, जहां 34,474 मतदाता हैं, वहीं सबसे छोटा वार्ड क्रमांक 22 है, जिसमें 24,944 मतदाता दर्ज हैं।

प्रमुख स्थानीय मुद्दे

भिवंडी में स्थानीय चुनावी मुद्दे मुख्य रूप से पावरलूम और कपड़ा उद्योग के संकट, मजदूरों की बेरोजगारी, बिजली की महंगी दरें और अनियमित सप्लाई, अवैध निर्माण व गोदामों का सवाल, पानी की भारी किल्लत, बरसात में जलभराव और बदहाल ड्रेनेज व्यवस्था, टूटी-फूटी सड़कें, कानून-व्यवस्था और साम्प्रदायिक संवेदनशीलता, झुग्गी-बस्तियों के पुनर्विकास, प्रॉपर्टी टैक्स और मूलभूत नागरिक सुविधाओं की कमी के इर्द-गिर्द घूमते हैं; इन मुद्दों का असर वार्ड-दर-वार्ड अलग दिखता है, लेकिन कुल मिलाकर रोजगार, बुनियादी ढांचा और प्रशासनिक जवाबदेही ही भिवंडी की राजनीति की दिशा तय करते हैं।

भिवंडी की राजनीतिक पहचान

भिवंडी को परंपरागत रूप से मुस्लिम बहुल क्षेत्र माना जाता है, लेकिन चुनावी नतीजे बताते हैं कि यहां सत्ता परिवर्तन अक्सर गठबंधन, उम्मीदवार की छवि और स्थानीय समीकरणों पर निर्भर करता है।

- अल्पसंख्यक वोट निर्णायक
- मजदूर और बुनकर समुदाय प्रभावी
- बाहरी मजदूरों की बड़ी संख्या
- स्थानीय नेतृत्व का सीधा असर

ज़ोन–1 : सेंट्रल भिवंडी (पुराना शहर) (वार्ड 1 से 18)

ज़ोन–1 (सेंट्रल भिवंडी/पुराना शहर) के वार्ड 1 से 18 तक फैले इलाके—नालापानी, मंडई, खान कंपाउंड, काजीपुरा और गरीब नवाज़ नगर—में 70 से 85 प्रतिशत तक मुस्लिम आबादी है, जहां पानी की किल्लत, पावरलूम बिजली दरें, जर्जर गटर व्यवस्था, संकरी सड़कें और पुलिस-प्रशासन पर गहरा अविश्वास प्रमुख चुनावी मुद्दे बने हुए हैं; माइक्रो स्तर पर वार्ड 1 से 5 AIMIM का कोर एरिया माने जाते हैं, वार्ड 6 से 10 में समाजवादी पार्टी और AIMIM के बीच सीधी टक्कर है, जबकि वार्ड 11 से 18 में स्थानीय नेताओं और निर्दलीय उम्मीदवारों की भूमिका निर्णायक रहती है—कुल मिलाकर मुस्लिम वोट यदि एकजुट रहा तो AIMIM या SP को मजबूती मिलेगी, लेकिन वोटों का बंटवारा होने की स्थिति में बीजेपी को अप्रत्याशित राजनीतिक लाभ मिल सकता है।

ज़ोन–2 : निजामपुर व मिश्रित आबादी (वार्ड 19 से 35)

ज़ोन–2 (निजामपुर व मिश्रित आबादी) के वार्ड 19 से 35 तक फैले निजामपुर, कासिमपुरा और पडघा रोड जैसे इलाकों में 45–55 प्रतिशत मुस्लिम और शेष हिंदू आबादी है, जहां खराब सड़कें, अवैध निर्माण, टैक्स बोझ और रेगुलराइजेशन जैसे मुद्दे मतदाताओं के लिए अहम हैं; माइक्रो एनालिसिस में वार्ड 19 से 23 शिवसेना (शिंदे) का मजबूत गढ़ माने जाते हैं, वार्ड 24 से 29 में बीजेपी का संगठनात्मक प्रभाव साफ दिखता है, जबकि वार्ड 30 से 35 में बीजेपी–AIMIM–SP के बीच त्रिकोणीय मुकाबला है—कुल मिलाकर इस ज़ोन में सत्ता पक्ष (बीजेपी–शिंदे) को बढ़त की स्थिति में माना जा रहा है, जबकि AIMIM की सफलता सीमित रहने की संभावना है।

ज़ोन–3 : पावरलूम और मजदूर बेल्ट (वार्ड 36 से 52)

ज़ोन–3 (पावरलूम और मजदूर बेल्ट) के वार्ड 36 से 52 तक फैले अंजुरफाटा, खडिपार और रहनाल जैसे इलाकों में मजदूर, प्रवासी और मिश्रित आबादी का दबदबा है, जहां रोजगार, परिवहन सुविधाओं की कमी और पुलिस उत्पीड़न प्रमुख चुनावी मुद्दे बने हुए हैं; माइक्रो एनालिसिस के अनुसार वार्ड 36 से 40 में उम्मीदवार की व्यक्तिगत पकड़ और स्थानीय नेटवर्क निर्णायक भूमिका निभाते हैं, वार्ड 41 से 46 में निर्दलीय और बागी उम्मीदवार परिणामों को प्रभावित कर सकते हैं, जबकि वार्ड 47 से 52 में हिंदू वोटों के ध्रुवीकरण के चलते बीजेपी को बढ़त मिलती दिखती है—कुल मिलाकर इस ज़ोन में पार्टी से ज्यादा चेहरा मायने रखता है और यहां सीटें पलटने की संभावना सबसे अधिक मानी जा रही है।

प्रमुख दलों की स्थिति

AIMIM

ताकत:
- कोर मुस्लिम वोट बैंक
- मजबूत स्थानीय नेटवर्क

कमजोरी:
- हिंदू वोटों का ध्रुवीकरण
- गठबंधन की कमी

समाजवादी पार्टी (SP)

ताकत:
- परंपरागत अल्पसंख्यक समर्थन
- पुराने स्थानीय चेहरे

कमजोरी:
- AIMIM से सीधा मुकाबला
- संगठनात्मक ढीलापन

मालाबार हिल

बीजेपी का मजबूत गढ़ लेकिन इस बार मिल सकती है कड़ी टक्कर

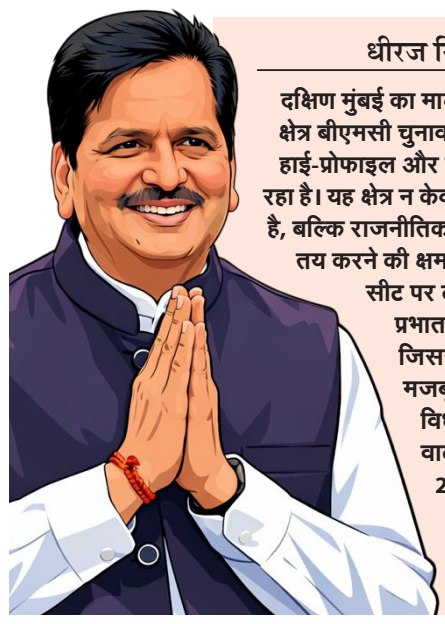

धीरज सिंह । मुंबई

दक्षिण मुंबई का मालाबार हिल विधानसभा क्षेत्र बीएमसी चुनाव के लिहाज से हमेशा से हाई-प्रोफाइल और रणनीतिक रूप से अहम रहा है। यह क्षेत्र न केवल आर्थिक रूप से समृद्ध है, बल्कि राजनीतिक रूप से भी सत्ता संतुलन तय करने की क्षमता रखता है। विधानसभा सीट पर लगातार बीजेपी के मंगल प्रभात लोढ़ा का कब्जा रहा है, जिससे यह इलाका बीजेपी का मजबूत गढ़ माना जाता है। इस विधानसभा के अंतर्गत आने वाले पांच बीएमसी प्रभाग — 214, 215, 217, 218 और 219 — आगामी चुनाव में भी निर्णायक भूमिका निभाएंगे।

कुल मतदाता प्रोफाइल (पांचों वार्ड मिलाकर)

- कुल मतदाता : 2,61,556
- पुरुष : 1,35,020
- महिला : 1,26,526
- तृतीयपंथी : 10
- मुस्लिम मतदाता : लगभग 7.3%
- एससी : 5.37%
- एसटी : 0.26%

यह सीट देश की सबसे अमीर विधानसभा सीटों में गिनी जाती है। मारवाड़ी, गुजराती और जैन समुदाय की निर्णायक मौजूदगी है, जिनका झुकाव परंपरागत रूप से बीजेपी की ओर रहा है। मराठी मतदाता गिरगांव, ताड़देव और ग्रांट रोड के कुछ हिस्सों में प्रभावी भूमिका निभाते हैं।

कांग्रेस की कमजोर स्थिति

राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, मालाबार हिल के सभी पांचों वार्डों में कांग्रेस हाशिये पर है। संगठनात्मक कमजोरी, नेतृत्व की कमी और लगातार घटता वोट शेयर कांग्रेस को मुख्य मुकाबले से बाहर कर चुका है। मुख्य संघर्ष अब बीजेपी बनाम उद्धव सेना-मनसे गठबंधन तक सिमट गया है।

उद्धव सेना-मनसे गठबंधन की रणनीति और चुनौती

इस बार बीएमसी चुनाव में बड़ा बदलाव यह है कि शिवसेना (उद्धव गुट) और मनसे साथ मिलकर चुनाव लड़ने जा रही है। मराठी अस्मिता और स्थानीय मुद्दों को आधार बनाकर यह गठबंधन बीजेपी को चुनौती देने की कोशिश करेगा। हालांकि, चुनौती आसान नहीं है। 2017 में जब शिवसेना एकजुट थी, तब भी वह मालाबार हिल में सिर्फ एक प्रभाग जीत पाई थी। अब, जब उसका वोट आधार बंट चुका है, उद्धव गुट और मनसे को मराठी वोटो का पूर्ण धुवीकरण करना होगा। साथ ही, गैर-मराठी मतदाताओं का विश्वास जीतना उनके लिए सबसे बड़ी परीक्षा होगी।

लोढ़ा की रिकॉर्ड जीत का असर

2024 के विधानसभा चुनाव में मंगल प्रभात लोढ़ा को 1,01,197 वोट, जबकि उद्धव गुट के उम्मीदवार को सिर्फ 33,014 वोट मिले। करीब 68 हजार से अधिक वोटों की जीत ने बीजेपी कार्यकर्ताओं का मनोबल काफी बढ़ाया है। इसका सीधा असर बीएमसी चुनाव की तैयारियों और टिकट दावेदारों की बढ़ती संख्या में देखा जा रहा है।

वॉर्ड वाइज स्थिति

वार्ड 214 : बीजेपी का सुरक्षित किला

2017 परिणाम : बीजेपी की सरिता पाटिल-13,589 वोट

स्थिति : मजबूत

- प्रभाग 214 बीजेपी के लिए सबसे सुरक्षित वार्ड माना जाता है। गैर-मराठी मध्यम और उच्च वर्गीय मतदाता यहां निर्णायक हैं। शिवसेना और कांग्रेस दोनों यहां पिछले चुनाव में काफी पीछे रहे थे। इस बार भी उद्धव सेना-मनसे गठबंधन के लिए यहां सेंध लगाना बेहद कठिन माना जा रहा है, जब तक कि कोई बड़ा स्थानीय मुद्दा या असंतोष सामने न आए।

वार्ड 215 : मुकाबले का सबसे करीबी मैदान

2017 परिणाम : शिवसेना (अविभाजित)- अरुंधति दुधवडकर विजयी

स्थिति : कांटे की टक्कर

- यह एकमात्र वार्ड था, जहां बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा, वह भी बेहद कम अंतर से। उस समय शिवसेना एकजुट थी। अब हालात बदल चुके हैं। शिवसेना दो गुटों में बंटी है और मनसे के साथ गठबंधन नया प्रयोग है। बीजेपी यहां पूरी ताकत झोंकने के मूड में है। यह वार्ड इस बात का संकेत देगा कि मराठी वोटों का ध्रुवीकरण कितना प्रभावी रहा।

वार्ड 217 : गैर-मराठी वोट बैंक का प्रभाव

2017 परिणाम : बीजेपी — मीनल पटेल

स्थिति : बीजेपी के पक्ष में

- यह वार्ड बीजेपी के मजबूत संगठनात्मक ढांचे और गैर-मराठी वोट बैंक का उदाहरण है। गुजराती-मारवाड़ी समाज की निर्णायक भूमिका के चलते यहां बीजेपी को लगातार बढ़त मिलती रही है। उद्धव सेना-मनसे गठबंधन के लिए सबसे बड़ी चुनौती यहीं गैर-मराठी मतदाताओं का भरोसा जीतना होगी।

वार्ड 218 : हाई-इनकम वोटर्स का झुकाव

2017 परिणाम : बीजेपी — अनुराधा पोतदार

स्थिति : बीजेपी मजबूत

- यह इलाका उच्च आय वर्ग, कारोबारी और प्रोफेशनल वोटर्स का गढ़ है। विकास, स्थिरता और केंद्र-राज्य में सत्ता के समीकरण यहां निर्णायक होते हैं। बीजेपी की डबल इंजन सरकार का नैरेटिव इस वार्ड में असरदार माना जा रहा है।

वार्ड 219 : परंपरागत बीजेपी समर्थन

2017 परिणाम : बीजेपी — ज्योत्सना मेहता

स्थिति : बीजेपी का पलड़ा भारी

- यह वार्ड लंबे समय से बीजेपी के साथ रहा है। यहां संगठनात्मक मजबूती और बूथ मैनेजमेंट बीजेपी की बड़ी ताकत है। विपक्ष के लिए यह सीट भी आसान नहीं मानी जा रही।

डीबीडी विश्लेषण

मालाबार हिल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सभी पांचों बीएमसी वार्डों में भारतीय जनता पार्टी की स्थिति फिलहाल स्पष्ट रूप से मजबूत दिखाई दे रही है। संगठनात्मक ढांचा, जमीनी कार्यकर्ताओं की सक्रियता और गैर-मराठी मतदाताओं के बीच पार्टी की पकड़ बीजेपी को बढ़त दिलाती नजर आती है। पिछले चुनावी रुझानों और स्थानीय समीकरणों को देखें तो बीजेपी ने यहां शहरी मध्यम वर्ग, व्यापारी समुदाय और उत्तर भारतीय मतदाताओं में लगातार समर्थन बनाए रखा है। वहीं दूसरी ओर उद्धव ठाकरे की शिवसेना (उद्धव गुट) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के संभावित गठबंधन के सामने सबसे बड़ी चुनौती मराठी वोटों का पूर्ण एकीकरण है। यदि दोनों दल मराठी अस्मिता और स्थानीय मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाकर पारंपरिक मराठी मतदाताओं को एक मंच पर लाने में सफल होते हैं, तो मुकाबला दिलचस्प हो सकता है। हालांकि केवल मराठी वोटों पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं होगा। गठबंधन के लिए असली परीक्षा गैर-मराठी मतदाताओं के बीच सेंध लगाने की होगी। अगर वह विकास, स्थानीय समस्याओं और समावेशी राजनीति का संदेश देकर इन वर्गों का भरोसा जीत पाता है, तो बीजेपी के लिए स्थिति चुनौतीपूर्ण बन सकती है। अन्यथा मौजूदा हालात में मालाबार हिल में बीजेपी की बढ़त बरकरार रहने की संभावना अधिक दिखाई देती है।